MPMETRO

METRO NEWS

03rd JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	पत्रिका	भोपाल	03.07.2023	2	ड्राइवरलेस मेट्रो की 90 किमी प्रति घंटे होगी रफ्तार, दुर्घटना की आशंका नहीं	Neutral

पत्रिका

BHOPAL PRIME

भोपाल प्राइम

पढ़ें ज्यादा खबरें, देखें फोटो/वीडियो

#Readers Connect Bhopal News

www.facebook.com/groups/bhopalvoice

पत्रिका. भोपाल, सोमवार 03 जुलाई 2023 | 02

इन आइकन से जुड़ी सामग्री **पत्रिका भोपाल वॉयस** फेसबुक ग्रुप पर पढ़ें, **अपनी खबरें** भी भेजें

क्यूआर कोड मोबाइल से करें स्कैन | खबरें | समस्याएं | सुझाव | फोटो | वीडियो | पॉडकास्ट

भोपाल की खबरें **www.patrika.com/bhopal-news** पर भी देखें

#Metro**bhopal** लाइट्स नहीं कम्युनिकेशन बेस्ड कंट्रोल सिस्टम से दौड़ेगी ट्रेन, स्टील व्हील तकनीक से पटरियों पर ही बनाएगी करंट

ड्राइवरलेस मेट्रो की 90 किमी प्रति घंटे होगी रफ्तार, दुर्घटना की आशंका नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. भोपाल मेट्रो ट्रेन सबसे आधुनिक तकनीक से युक्त होगी। परंपरागत ट्रेनों की तरह इसमें अलग-अलग रंग के लाइट्स सिग्नल सिस्टम नहीं होंगे। यह कंप्यूनिकेशन बेस्ड कंट्रोल सिस्टम से चलेगी और रुकेगी। यह ड्रायवरलेस होगी और इसमें स्टील व्हील तकनीक होगी। 750 डीसी करंट सिस्टम से ट्रेन को ट्रेक पर रफ्तार दी जाएगी। मेट्रो ट्रेन 1453 एमएम के स्टैंडर्ड गेज पर 90 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी।

मेट्रो ट्रेन के कोच का 22 मीटर लंबा मॉडल भोपाल पहुंचा

मेट्रो ट्रेन का कोच कैसा होगा इसका मॉकअप यानि मॉडल रविवार को भोपाल पहुंच गया। ये 22 मीटर लंबा और 3 मीटर चौड़ा है। इसे श्यामला हिल्स स्थित स्मार्टपार्क में स्थापित किया जाएगा। यहां इसके लिए स्टैंड बनाया गया है। कोच अभी पूरी तरह से पैक है और लोकार्पण के समय ही सार्वजनिक किया जाएगा।

खास बातें

- 6941.40 करोड़ — पहले फेज की लागत
- 77.13 किमी — भोपाल मेट्रो का विस्तार
- 2.20 लाख — यात्री रोजाना करेंगे परिवहन

ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन मॉडल

मेट्रो चलाने के लिए ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन चार मॉडल का उपयोग होगा। अपनी तरह से ये पहला मॉडल होगा। शुरुआत में जीओए दो मॉडल से ट्रायल होगा। बाद में चार नंबर के मॉडल से इसे बदल दिया जाएगा। ये पूरी तरह से ऑटोमेटिक संचालन के लिए होता है।

ऑटोमेटिक कंट्रोल सिस्टम होगा

भोपाल मेट्रो ड्रायवरलेस ऑपरेटिंग सिस्टम से चलेगी। ऑटोमेटिक ट्रेन कंट्रोल सिस्टम होगा जो ड्रायवरलेस ऑपरेशन और ऑटोमेटिक ट्रेन सुपरविजन के तहत काम करेगा। कंप्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोलिंग से मेट्रो की सुरक्षा पुख्ता होगी।

ऊपर दिए क्युआर कोड को स्कैन कर सुझाव दें...

2023 में पहले चरण की दो लाइनें

भोपाल मेट्रो के पहले चरण की दो लाइनों की लंबाई 28 किमी होगी। सितंबर 2023 में प्रायोरिटी कॉरीडोर के तहत साढ़े तीन किमी लंबाई का ट्रैक शुरू होगा। वर्ष 2027 में पहले चरण की दोनों लाइनों का काम पूरा होगा।

यह भी जानें

- दिल्ली मेट्रो रेल देश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम मेट्रो नेटवर्क
- अभी देश के 15 शहरों में 16 परिचालन रैपिड ट्रांजिट
- फ्रांस की एल्सटाम ट्रांसपोर्ट इंडिया लि. बना रही भोपाल मेट्रो
- गुजरात, बड़ोदरा के सावली में एल्सटाम बना रही मेट्रो के डिब्बे

मेट्रो ट्रेन का संचालन पूरी तरह से सुरक्षित होगा। अत्याधुनिक तकनीकी से ट्रेन संचालित होगी।

मनीष सिंह,
एमडी, मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन

Date: 03/07/2023, Edition: Bhopal, Page: 4
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	दैनिक भास्कर	भोपाल	03.07.2023	01 & 03	देखने के लिए मेट्रो भोपाल पहुंची सितंबर तक ट्रायल मुश्किल	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 03-07-2023 Pg-01 &3

बड़ी चुनौती • बारिश में औसतन 50 दिन खुले में काम नहीं होता

देखने के लिए मेट्रो भोपाल पहुंची सितंबर तक ट्रायल मुश्किल

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

मेट्रो का मॉक अप भोपाल आ गया है। इसे स्मार्ट रोड स्थित स्मार्ट पार्क के कॉर्नर पर रखा जाएगा। 10 दिन के भीतर इसके लिए प्लेटफार्म बनाने का काम पूरा हो जाएगा। भोपाल में आरकेएमपी से सुभाष नगर डिपो तक 4 किमी के रूट पर 25 सितंबर के आसपास मेट्रो के ट्रायल का टार्गेट है। इसमें सबसे बड़ा चैलेंज बरसात के दौरान 86 दिनों में डिपो का तैयार होना है। लेकिन बारिश इसमें बड़ी बाधा बन सकती है। पिछले सालों का आंकड़ा देखें तो जुलाई-अगस्त-सितंबर में औसतन 55 दिन खुले में काम बहुत मुश्किल है।

दरअसल, मेट्रो के डिपो की लोकेशन ऐसी है कि वहां अरेरा हिल्स का पानी बहुत तेजी से आकर जमा हो जाता है। पिछली बरसात में इस वजह से काम ही रोकना पड़ा था। इस बार यहां ड्रेनेज सिस्टम की एक लेयर बना दी गई है। तेज बारिश की स्थिति में यह लेयर भी करीब 35 से 40 प्रतिशत पानी को बाहर कर सकेगी। शेष पानी बाहर करने के लिए मशीनों और पंप का सहारा लेना पड़ेगा। मेट्रो के संचालन के लिए यहां स्टेबलिंग यार्ड, इंस्पेक्शन बे और रिपेयर बे तैयार किए जा रहे हैं। शेष | पेज 11 पर

कैसी होगी हमारी मेट्रो? स्मार्ट पार्क में 10 दिन बाद से देख सकेंगे

मॉक अप मेट्रो की सभी सुविधा वाला डिब्बा है, जिसमें जनता बैठ कर मेट्रो का अनुभव ले सकेगी। इसमें एलईडी, अनाउसमेंट, सीसीटीवी, सीटिंग अरेंजमेंट, इमरजेंसी अलार्म समेत सभी सुविधाएं होगी।

इंदौर में कोई मुश्किल नहीं, भोपाल में भी ट्रायल लायक काम हम पूरा कर लेंगे : एमडी मेट्रो

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार हर हाल में सितंबर में मेट्रो का ट्रायल होगा। इंदौर में कोई मुश्किल नहीं है। 5 से 10 सितंबर के बीच ट्रायल हो सकता है। भोपाल में हम कम से कम इतना काम कर लेंगे कि 25 सितंबर तक आरकेएमपी से सुभाष नगर तक ट्रायल कर लें। इसके बाद एम्स से आरकेएमपी तक और रूट व डिपो के बचे हुए दूसरे कामों पर फोकस होगा। डिपो के काम को समय पर पूरा करना चुनौती है, लेकिन प्रोजेक्ट से जुड़े हुए सभी लोगों को स्पष्ट निर्देश हैं कि कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। - **मनीष सिंह,** एमडी, मेट्रो रेल कंपनी

देखने के लिए मेट्रो भोपाल पहुंची चलना सितंबर...

इनका काम लगभग 55 प्रतिशत हुआ है। भोपाल में जुलाई और अगस्त तेज बारिश के महीने होते हैं। भोपाल में जुलाई के महीने में 15 से 22 दिन दिन बारिश के होते हैं और औसत बारिश 511 मिलीमीटर होती है। यदि अगस्त की बात करें तो 15 से 22 दिन तक बारिश होती है और औसत 508 मिमी बारिश होती है। सितंबर में भी शहर में 8 से 15 दिन तक बारिश होती है और औसत 211 मिमी बारिश होती है। यदि जुलाई-अगस्त में कम से कम 15-15 दिन और अगस्त में 8 दिन भी बारिश हुई और पानी निकलने व जमीन सूखने के समय को जोड़ा जाए तो कम से कम 50-55 दिन खुले में कोई काम नहीं होगा। जिससे डिपो का काम तो सीधे तौर पर प्रभावित होगा। ऐसे में डिपो में पानी ना भरे इसका पुख्ता इंतजाम करना होगा। मेट्रो स्टेशनों पर डेक स्लैब बिछाने का काम भी बारिश के ब्रेक के दौरान ही हो पाएगा। हालांकि इस काम के लिए अधिकतम 10 घंटे का समय लगता है। स्टेशनों के बाकी काम छत के नीचे होना हैं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	नवदुनिया	भोपाल	03.07.2023	04	राजधानी पहुंचा मेट्रो का माडल अब अंदर जाकर देख सकेंगे लोग	Neutral

राजधानी पहुंचा मेट्रो का माडल अब अंदर जाकर देख सकेंगे लोग

स्मार्ट पार्क में पहुंचा मेट्रो का माडल। ● नवदुनिया

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। राजधानी में सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक सितंबर 2023 में मेट्रो रेल का ट्रायल रन होना है। इसको लेकर मप्र मेट्रो कार्पोरेशन द्वारा तेजी से बचे हुए काम पूरे किए जा रहे हैं। वहीं मेट्रो का स्वरूप अंदर से कैसे होगा, यह जानने के लिए इसका माडल (माकअप) शहर में पहुंच गया है। अब इसे श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट पार्क में रखा जाना है।

मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि गुजरात के सांवली में एल्टसाम कंपनी ने मेट्रो के डिब्बों का निर्माण करने के लिए कारखाना लगाया है। रविवार को एल्टसाम कंपनी द्वारा माकअप की आपूर्ति कर दी गई है। इसे स्मार्ट पार्क में स्थापित करने के लिए बेस बनाया जा रहा है। जिससे आसानी से लोग इसके अंदर प्रवेश कर सकेंगे। यह हूबहू मेट्रो रेल की बोगी जैसा होगा। जिसे देखकर आमजनता मेट्रो की कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे।

मुख्यमंत्री करेंगे अनावरण: जानकारी के अनुसार अभी इसे स्मार्ट पार्क में रखा जाएगा, लेकिन आमजनता इसे देख नहीं पाएगी। इसके पहले माकअप का अनावरण किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री से इसका अनावरण करने के लिए समय लिया जाएगा। इसके बाद ही आम जनता के लिए इसे खोला जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
4	दैनिक जागरण	भोपाल	03.07.2023	12	मेट्रो का पहला डिब्बा पहुंचा भोपाल, स्मार्ट पार्क मे रखा जाएगा प्रदेश का पहला माडल	Neutral

दैनिक जागरण
भोपाल, 03 जुलाई, 2023 विविध www.djmp.in/epaper

एंकर स्टोरी सितंबर में होने वाले ट्रायल के पहले ही मेट्रो में बैठने का उठा सकेंगे लुत्फ

मेट्रो का पहला डिब्बा पहुंचा भोपाल, स्मार्ट पार्क में रखा जाएगा प्रदेश का पहला मॉडल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कर सकते हैं अनावरण

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। राजधानी में मेट्रो का ट्रायल सितंबर को होगा। लेकिन, इसके डिब्बों में बैठने का आनंद आप पहले ही ले सकेंगे। दरअसल, मेट्रो का पहला डिब्बा (बोगी) रविवार को भोपाल पहुंच गया है। इसके श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट पार्क में रखा जाएगा। साथ ही मेट्रो की विशेषताओं के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी। मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अफसरों ने बताया कि मेट्रो के इस डिब्बे को मॉडल के रूप में शहरवासियों के लिए रखा जाएगा। यह डिब्बा भी डमी नहीं है, लेकिन इसे पटरी पर नहीं उतारा जाएगा। डिब्बे में टीवी, अलार्म, सीट, इलेक्ट्रिक कनेक्शन समेत सभी उपकरण पटरी पर चलने वाली मेट्रो के ही हैं। मेट्रो के एक डिब्बे में 50 लोगों के बैठक व्यवस्था के साथ 300 लोगों के खड़े होने की व्यवस्था भी होगी। साथ ही हर स्टेशन की जानकारी भी मिलेगी। बता दें कि भोपाल मेट्रो पूरी तरह से ऑटोमेटिक होगी। लिहाजा इसमें इंजन भी नहीं होगा। मेट्रो संचालन का काम सुभाष नगर स्थित डिपो से किया जाएगा। डिपो में मेट्रो कंट्रोल रूम से काम होगा।

स्मार्ट पार्क के पास ट्रक में लोड मैट्रो का पहला डिब्बा, जिसका पटरी बिछाने के बाद अनावरा किया जाएगा।

चेन्नई में बना मेट्रो का डिब्बा, 25 सेट का होगा संचालन

भोपाल और इंदौर मेट्रो के डिब्बों के निर्माण का काम फ्रांस की एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी के जिम्मे है। कंपनी ने गुजरात के बड़ोदरा और चेन्नई प्लांट लगाया है। भोपाल लगाया गया डिब्बा चेन्नई प्लांट में बना है। भोपाल में मेट्रो के कुल 25 सेट पटरी पर दौड़ेंगे। हर सेट में तीन-तीन डिब्बे होंगे। इनके निर्माण का काम भी 60 फीसदी पूरा हो चुका है। मेट्रो के ट्रायल के लिए 15 अगस्त तक डिब्बों की पहली खेप भोपाल पहुंचेगी। 3 हजार 200 करोड़ रुपये की लागत से कंपनी डिब्बे बनाने से लेकर मेट्रो सिग्नल, संचालन के कंट्रोल रूम समेत अन्य तकनीकी काम करेगी। अनुबंध की शर्तों के मुताबिक आगामी 15 सालों कंपनी को संधारण भी करना होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
5	दैनिक जागरण	भोपाल	03.07.2023	09	मेट्रो स्टेशन, पार्किंग व मेट्रो कार्यालयों की छत पर लगेंगे सोलर पैनल	Neutral

एंकर स्टोरी | प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर मेट्रो में लागू होगा ऊर्जा बचत का मॉडल

मेट्रो स्टेशन, पार्किंग व मेट्रो कार्यालयों की छत पर लगेंगे सोलर पैनल

इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में चलने वाली मेट्रो में ऊर्जा बचत का माडल लागू किया जाएगा। इसके तहत सभी मेट्रो स्टेशन, पार्किंग व मेट्रो के कार्यालयों की छत पर सोलर पैनल लगाकर विद्युत उत्पादन किया जाएगा। इस तरह कार्यालयों में उपयोग होने वाली बिजली की आपूर्ति सोलर पैनल से बनने वाली बिजली से हो सकेगी। इसके अलावा मेट्रो ट्रेन के री-जनरेटिंग ब्रेकिंग सिस्टम से ऊर्जा की बचत की जाएगी। अफसरों के मुताबिक, मेट्रो के संचालन के दौरान जब भी मेट्रो को स्टेशन पर रोकना होगा, उसके पहले मेट्रो को मिल रही विद्युत ऊर्जा को कम कर दिया जाएगा। इससे मेट्रो की गति स्वतःधीमी होने लगेगी और ऊर्जा बचत भी होगी।

इंदौर में मेट्रो में थर्ड रेल टेक्नोलाजी का उपयोग होगा। इसमें मेट्रो के वायडक्ट पर आने व जाने के लिए तीन-तीन पटरियां बिछाई जा रही हैं। इसमें दो लोहे की पटरियों पर मेट्रो ट्रेन चलेगी, वहीं उसके पास में एक एल्युमिनियम की पटरी बिछाई जा रही है, जिससे मेट्रो ट्रेन के संचालन के लिए विद्युत आपूर्ति की जाएगी।

विदेश से आए उपकरण : मेट्रो की विद्युत आपूर्ति के लिए सब स्टेशन व मेट्रो स्टेशन पर डीसी व एसी स्विच गियर के माध्यम से बिजली को 132 केवी से 750 वोल्ट डीसी में तब्दील किया जाएगा। इसके लिए फ्रांस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी से स्विच गियर मंगवाए गए हैं। ये समुद्री मार्ग से पोर्ट पर होते हुए सड़क मार्ग से इंदौर पहुंच चुके हैं। इनका आकार एक कमरे के बराबर है।

मेट्रो के लिए होगा अलग बिजली नेटवर्क

मेट्रो के लिए शहर में अलग से विद्युत नेटवर्क तैयार किया जाएगा। एमआर-10, खजराना, गांधीनगर पर तीन रिसीविंग सब स्टेशन बनेंगे। 132 किलोवाट की लाइन से इन सब स्टेशन तक बिजली पहुंचेगी और उसे 33 केवी एसी वोल्ट तब्दील किया जाएगा, उसमें से 750 वोल्ट विद्युत डीसी में तब्दील कर मेट्रो को विद्युत आपूर्ति की जाएगी। एमआर-10 स्थित आईएसबीटी के पास बनने वाले सब स्टेशन पर जैतपुरा से सेपरेट 132 केवी की विद्युत लाइन लाई जा रही है। नानंलिया, खजराना में बनने वाले सब स्टेशन व सुपर कारिडोर से गांधी नगर वाले सब स्टेशन पर बिजली पहुंचाएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	03.07.2023	05	मेट्रो ट्रायल के लिए 64 दिन बाकी, आकार लेने लगे स्टेशन	Neutral

मेट्रो ट्रायल के लिए 64 दिन बाकी, आकार लेने लगे स्टेशन

मेट्रो का सफर

- सुभाष नगर से एम्स तक रूट का निर्माण 2018 में शुरू
- ट्रायल रन सितंबर में आरकेएमटी से सुभाष नगर तक
- चार किमी की दूरी में पांच स्टेशन होंगे, सभी जमीन के ऊपर
- अब करोंद तक रूट बनाने की तैयारी, 647 करोड़ होगा खर्च

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच मेट्रो का ट्रायल रन करने के लिए महज 64 दिन बचे हैं। यह चार किमी लंबा होगा। तय समय सीमा के पहले लक्ष्य हासिल करने दिन-रात काम चल रहा है। जमीन के ऊपर रूट का सिविल वर्क लगभग पूरा हो चुका है। अब स्टेशन भी आकार लेने लगे हैं। फिलहाल सुभाष नगर स्टेशन का कार्य तेजी से किया जा रहा है, गर्डर लॉन्च किए जा रहे हैं। राजधानी में प्रायोरिटी कॉरिडोर यानि रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच मेट्रो का ट्रायल रन करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सितंबर की समय सीमा तय की है। इस डेडलाइन के पहले स्टेशन, ट्रैक, डिपो व अन्य जरूरी स्ट्रक्चर तैयार करने में जुटे हैं। रानी कमलापति के सामने मेट्रो स्टेशन की बिल्डिंग भी तैयार हो चुकी है। गवर्नमेंट प्रेस तिराहा पर स्टेशन का स्ट्रक्चर साफ नजर आने लगा है। सुभाष नगर स्टेशन का काम रफ्तार पकड़ चुका है। रूट पर पटरी बिछाने, सिग्नलिंग, केबलिंग और स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर समेत इलेक्ट्रिक से जुड़े अन्य कार्य किए जा रहे हैं। एलएंडटी मेट्रो ट्रैक बना रही है। तीन कोच की पहली खेप अगले महीने भोपाल पहुंचने की संभावना है। बताया जा रहा है अधिकांश इलेक्ट्रिक वर्क के लिए एजेंसी का चयन हो चुका है।

मेट्रो ट्रेन के कोच का मॉडल चेन्नई से भोपाल आया

भोपाल। मेट्रो ट्रेन के कोच का मॉडल चेन्नई से राजधानी आ गया है। इसे स्मार्ट पार्क में ढक कर रखा गया है। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक इसे यहीं इंस्टॉल किया जाएगा। यह तीन मीटर चौड़ा और 22 मीटर लंबा है। इसे देखने के लिए थोड़े दिन इंतजार करना होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	हरि भूमि	भोपाल	03.07.2023	05	मेट्रो रेल की बोगी का माडल पहुं सिटी पार्क मे बने प्लेटफार्म पर क्रैन की सहायता से उतारा	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, सोमवार 3 जुलाई 2023

अगले माह तक आएंगी 3-3 कोच वाली दो ट्रेन

मेट्रो रेल की बोगी का मॉडल पहुंचा शहर, स्मार्ट सिटी पार्क में बने प्लेटफार्म पर क्रेन की सहायता से उतारा

पार्क में प्लेटफार्म बनाकर पहले बिछाई गई पटरी, उस पर रखा गया, मेट्रो रेल की बोगी का मॉडल लोग देख सकेंगे

फोटो जर्नलिस्ट: जसप्रीत सिंह

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मेट्रो ट्रेन बोगी का मॉडल रविवार को भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क पहुंच गया। प्लेटफॉर्म बनाकर पटरी पहले ही पार्क में बिछा दी गई थी। उस मेट्रो रेल की बोगी का मॉडल रखा गया है। इसका लोकार्पण करने के बाद मेट्रो ट्रेन की शुरुआत से पहले ही भोपाल में चलने वाली मेट्रो को न केवल देख सकेंगे बल्कि उसके भीतर भी जा सकेंगे। वड़ोदरा गुजरात के पास सांवली में मेट्रो ट्रेन का निर्माण हो रहा है। वहीं से बोगी का मॉडल रविवार को भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क पहुंचा। इसके साथ ही मेट्रो रेल के ट्रायल का काम ने भी तेजी पकड़ ली है। एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बना रही है। एक ट्रेन में तीन बोगी के हिसाब से भोपाल के लिए 27 और इंदौर के लिए 25 मेट्रो ट्रेन आएंगी। एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड को 6 जुलाई 2022 को कुल 156 कोच के साथ सिग्नलिंग, ट्रेन कंट्रोल और टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम के निर्माण के साथ कमिशनिंग और मेंटेनेंस का वर्क ऑर्डर दिया गया है।

MPMETRO

METRO NEWS

04th JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	हरि भूमि	भोपाल	04.07.2023	2	सुभाष नगर से करोंद तक रूट के दोनों ओर 40 मीटर जगह होगी खाली	Neutral

हरिभूमि भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 4 जुलाई 2023

दिसंबर में शुरू होगा मेट्रो के सेकंड फेज का काम

सुभाष नगर से करोंद तक रूट के दोनों ओर 40 मीटर जगह होगी खाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेट्रो के पर्पल रूट एम्स से सुभाष नगर तक का करीब 90 फीसदी काम पूरा हो गया है। जिसको देखते हुए सुभाष नगर से करोंद तक जाने वाले रूट का एलाइमेंट क्लियर किया जा रहा है। कलेक्टर आशीष सिंह ने आरा मशीनों की शिफ्टिंग का मामला सुलझा दिया है। शाही औकाफ की जमीन सहित निजी जमीनों का भी अधिग्रहण किया जाना है। मेट्रो कारपोरेशन ने अधिग्रहण की फाइल कलेक्टर के यहां पेश कर दी है। इस रूट के दोनों तरफ चालीस मीटर जगह को खाली कराया जाएगा।

राजधानी में वर्तमान समय में पर्पल लेन के तहत एम्स से सुभाष नगर के बीच मेट्रो कॉरिडोर का काम जारी है। सात किमी के इस कॉरिडोर में 226 पिलर बनकर तैयार हो गए हैं, जिनके ऊपर गर्डर भी चढ़ाए जा चुके हैं। रोलिंग स्टाक और रेलवे ट्रैक बिछाने का काम चल रहा है। बताया है कि सितंबर 2023 तक कॉरिडोर का काम पूरा होने की उम्मीद है। अब सुभाष नगर से करोंद तक के रूट के दोनों तरफ चालीस मीटर के एरिया को खाली कराया जाना है।

◆ आरा मशीनों की शिफ्टिंग के बाद शाही औकाफ की जमीन का होगा अधिग्रहण

◆ मेट्रो कारपोरेशन ने अधिग्रहण की फाइल कलेक्टर के यहां की पेश

रेड रूट पर जमीन अधिग्रहण शुरू

मेट्रो प्रोजेक्ट के दूसरे रूट यानी रेड लेन (भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहे तक) को बनाने की कवायद भी शुरू हो गई है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा जमीन आरक्षण का काम शुरू कर दिया गया है। टीटी नगर सर्कल क्षेत्र के कोटरा सुल्तानाबाद क्षेत्र में मेट्रो स्टेशन बनाने के लिए करीब 0.745 हेक्टेयर करीब पौने दो एकड़ जमीन का आरक्षण किया गया है। इस जमीन को मेट्रो रेल परियोजना को आवंटित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

12.88 किमी लंबे रूट में 13 स्टेशन बनेंगे

यह रूट करीब 12.88 किलोमीटर लंबा रहेगा। इसमें अलग-अलग स्थानों पर करीब 13 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। इसमें भदभदा चौराहा, डिपो चौराहा, जवाहर चौक, रोशनपुरा चौराहा, मिंटो हॉल, लिली टॉकीज, बोगदा पुल, प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा, जेके रोड, इंद्रपुरी, पिपलानी और रत्नागिरी तिराहे पर स्टेशन बनाने की योजना है। बताया जा रहा है कि रेड लेन को पिलर पर ही पूरा बनाया जाएगा।

अन्य रुकावटें भी जल्द होगी दूर

मेट्रो के पर्पल और रेड रूट के लिए जमीन अधिग्रहण का काम जारी है। भारत टॉकीज के पास आरा मशीनों की शिफ्टिंग के लिए भी जमीन आवंटित कर दी गई है। अन्य रुकावटों को भी जल्द दूर किया जाएगा।

आशीष सिंह, कलेक्टर

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	Free Press	Bhopal	04.07.2023	06	CM likely to inaugurate Bhopal Metro Mock up	Neutral

MADHYA PRADESH

Pg - 06

BHOPAL | TUESDAY | JULY 4, 2023 www.freepressjournal.in

CM likely to inaugurate Bhopal Metro mock up

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

The officials of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation are thinking of making a request to Chief Minister Shivraj Singh Chouhan to inaugurate the mock up (dummy) of Bhopal Metro which will be placed on a platform at Smart Park.

"10-12 days will be needed to prepare platform on which Mock Up would be installed. After this, we will request CM to inaugurate the mock up, which reached Bhopal on Sunday from Alstom company factory in Chennai. It took eight days to reach Bhopal," a Bhopal Metro officer said.

The Metro train is expected to reach Bhopal by August end as trial is in September.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	दैनिक भास्कर	भोपाल	05 .07.2023	J2	स्मार्ट पार्क मे रखे मेट्रो के माकअप कोच मे पहिये छोड़ सब फंक्शनल होगा; इसी से समझाएंगे इमरजेन्सी बटन कहाँ दरवाजे कैसे खुलेंगे	Positive

दैनिक भास्कर भोपाल 05-07-2023 Pg-J2

भोपाल फ्रंट पेज

सूर्यास्त (बुधवार) 7:11 बजे | सूर्योदय (गुरुवार) 5:40 बजे

दैनिक भास्कर भोपाल, बुधवार 5 जुलाई, 2023

इस कोच से भोपाल जानेगा मेट्रो में सफर के तौर तरीके

स्मार्ट पार्क में रखे मेट्रो के मॉकअप कोच में पहिए छोड़ सब फंक्शनल होगा; इसी से समझाएंगे इमरजेंसी बटन कहां होगा, दरवाजे कैसे खुलेंगे

इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर | भोपाल

स्मार्ट रोड स्थित स्मार्ट पार्क में बनाए गए प्लेटफॉर्म पर मेट्रो के फुल कोच मॉकअप को रख दिया गया है। ये मॉकअप (मॉडल) करीब 22 मीटर लंबा और 3 मीटर चौड़ा है। इसे यहां लाने का मकसद स्मार्ट पार्क की सुंदरता बढ़ाना और राजधानी के लोगों को मेट्रो के इस्तेमाल के तौर-तरीके समझाना है।

करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से बने इस मॉकअप के ज्यादातर उपकरण फंक्शनल होंगे। यानी इन्हें ठीक वैसे ही बनाया गया है, जैसे असल मेट्रो कोच में होते हैं। ताकि जब मॉक अप को आम लोगों के लिए खोला जाएगा तब उन्हें ठीक वैसा ही अनुभव हो, जैसा असल मेट्रो में होता है।

स्मार्ट पार्क में स्थापित किया मेट्रो का कोच

इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा-स्मार्ट पार्क में मेट्रो रेल कॉरपोरेशन मॉकअप के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करा रहा है। इस पार्क प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां, डेकोरेशन, लोगों के लिए बैठक व्यवस्था और लाइटिंग भी लगाई जा रही हैं। इन कामों में 10-15 दिन लग सकते हैं।

मेट्रो लॉन्चिंग से पहले रखते हैं मॉकअप:देश में हर मेट्रो की लॉन्चिंग से पहले मॉकअप तैयार करवाया जाता है। इसके जरिए मेट्रो कोच के असल में देखने के साथ ही आम लोगों को इसके जरिए मेट्रो के फंक्शन समझाए जा सकते हैं।

असली कोच जैसे

चेन्नई में बना कोच, 50 लोग बैठ सकेंगे, पायलट डेस्क भी फंक्शनल

इस मॉकअप को चेन्नई में बनाया गया है। इसमें एयरकंडीशनर, एलईडी, साउंड अनाउंसमेंट सिस्टम, हैंडल, साइड पैनल, ऑटोमेटिक डोर, इमरजेंसी बटन सब फंक्शनल होगा। इसमें 50 लोगों के बैठने की व्यवस्था भी होगी। लोग पायलट डेस्क को भी देख सकेंगे। यहां लगे उपकरण भी ठीक वैसे ही होंगे, जैसे असल मेट्रो में होते हैं। इन्हीं फंक्शनल उपकरणों के आधार पर लोगों को ये भी बताया जाएगा कि असल मेट्रो में सफर के दौरान किन-किन बातों का ध्यान रखना है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	दैनिक जागरण	भोपाल	05.07.2023	05	एक ही कार्ड पर मेट्रो, बस व ट्रेन मे कर सकें सफर, यात्रियों को भुगतान की भी सुविधा	Neutral

एक ही कार्ड पर मेट्रो, बस व ट्रेन में कर सकेंगे सफर, यात्रियों को भुगतान की भी सुविधा

दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद के बाद भोपाल वासियों को मिलेगी एनसीएमसी कार्ड की सुविधा

शहर संवाददाता, भोपाल। शहर में अब एक ही कार्ड की मदद से मेट्रो, इंटर सिटी व इंटर स्टेट चार्टर्ड बसों और ट्रेन में भी सफर किया जा सकेगा। इतना ही नहीं इस कार्ड के माध्यम से कार्ड धारक चुनिंदा स्थानों पर सामान की खरीदी कर उसका भुगतान भी कर सकता है। दरअसल भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) यात्री सेवाओं में बढ़ोत्तरी करते हुए अपनी बसों में नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) को लागू करने जा रहा है। बीसीएलएल के अधिकारियों के अनुसार इसके लिए पांच कंपनियों ने रुचि दिखाई है। इन कंपनियों से कार्ड की सुविधा देने के लिए जल्दी ही निविदा मंगवाई जाएगी। इस कार्ड को रखने से कैशलेस की सुविधा को बढ़ावा मिलेगा, जिससे यात्री सुरक्षित रूप से बिना कैश लिए यात्रा कर सकेंगे।

अब तक केवल मेट्रो शहरों में मिल रही है यह सुविधा

वर्तमान में एनसीएमसी कार्ड की सुविधा देश के चुनिंदा मेट्रो शहरों में मिल रही है। जिनमें राजधानी दिल्ली की मेट्रो, मुम्बई बेस्ट बस, अहमदाबाद और गोवा में यह सुविधा लोगों को दी जा रही है। बीसीएलएल पहली बार अपनी सभी बसों में यह सुविधा देने जा रहा है। जिसमें 24 रूटों पर संचालित होने वाली 368 सिटी बसों में इस सुविधा का लाभ लिया जा सकेगा।

इन कंपनियों ने दिखाई रुचि

वर्तमान में एनसीएमसी बनाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक, सी-डेक इंडिया, पे-टीएम पेमेंट्स बैंक, एयरटेल पेमेंट बैंक और मेसर्स एमनेक्स इंफोटेक्नालाजी प्रालि ने रुचि दिखाई है।

हर ऑपरेटर अपनी बसों में दे रहा है सुविधा

शहर में संचालित हो रही बीसीएलएल की सभी सिटी बसों का संचालन चार ऑपरेटरों के माध्यम से किया जाता है। ऐसे में हर बस ऑपरेटर अपने स्तर पर कार्ड जारी कर यात्री को सुविधाएं देता है, लेकिन इसके कारण यात्रियों सभी बसों में यह सुविधा नहीं मिल पाती है।

मिलेंगी यह सुविधाएं

- यात्रा के दौरान यह कार्ड भोपाल के साथ ही पूरे प्रदेश और भारत में उपयोग किया जा सकेगा।
- कार्ड ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से काम करेगा।
- सिटी बसों के मासिक पास और टिकिटिंग का काम किया जा सकेगा।
- मेट्रो रेल और पार्किंग को पेमेंट के लिए उपयोग कर सकेंगे।
- पब्लिक बाइसिकिल शेयरिंग के लिए और टोल प्लाजा व निगम की विभिन्न सेवाओं में उपयोग किया जा सकेगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	दैनिक भास्कर	भोपाल	05.07.2023	01 &10	भोपाल मे जल्द शुरू होगी एनसीएमसी सेवा	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 05-07-2023 Pg-1&10

भोपाल में जल्द शुरू होगी एनसीएमसी सेवा

देश की किसी भी मेट्रो, बस, टोल के लिए एक ही कार्ड से भुगतान

इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर | भोपाल

राजधानी में जल्द ही नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) की शुरुआत की जा रही है। ये एक ऐसा कार्ड होगा, जिसे देश की किसी भी मेट्रो, इंटरसिटी बस, पेड पार्किंग, पब्लिक बाइसिकल शेयरिंग, टोल प्लाजा और नगर निगम की तमाम सेवाओं में इस्तेमाल हो सकेगा। फिलहाल ये कार्ड केवल दिल्ली मेट्रो, मुंबई बेस्ट बस, अहमदाबाद और गोवा में ही लागू है। कार्ड को लेकर भोपाल स्मार्ट सिटी दफ्तर में पहली बार बैठक हुई।

शेष | पेज 10 पर

एनसीएमसी के फायदे

- देश के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल किया जा सकेगा।
- ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार से काम करेगा।
- सिटी बसों के मासिक पास, टिकटिंग और टोल प्लाजा पर इस्तेमाल होगा।
- इंटरसिटी बसों में किराए के लिए इस्तेमाल हो सकेगा।
- मेट्रो रेल, वाहनों की पार्किंग और पब्लिक बाइसकिल शेयरिंग में भी काम आएगा।
- नगर निगम की विभिन्न सेवाओं में भी उपयोग होगा।

देश की किसी भी...

इसके लिए बीसीएलएल ने एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट (ईओआई) जारी किया था। एसबीआई, सी-डेक इंडिया, पेटीएम, एयरटेल पेमेंट बैंक और मेसर्स एमनेक्स इंफोटेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड ने रूचि दिखाई। पांचों कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में स्मार्ट सिटी सीईओ गौरव बैनल भी मौजूद रहे। बैनल ने बताया कि बीसीएलएल भोपाल में 24 मार्गों पर चार बस ऑपरेटर्स की 368 सिटी बसें संचालित करता है। चारों ऑपरेटर्स अपने-अपने मासिक कार्ड जारी करते हैं, जो उन्हीं की बसों में लागू होते हैं। एनसीएमसी का इस्तेमाल चारों ऑपरेटर्स की बसों, भोपाल-इंदौर मेट्रो के अलावा देश की किसी भी मेट्रो में हो सकेगा। बैठक में हुए निर्णय और जानकारी के आधार पर बीसीएलएल अगले कुछ दिनों में इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर देगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	पीपल्स समाचार	भोपाल	05.07.2023	03	2026 तक पूरा होगा प्रोजेक्ट, 2027 से 30 किमी लं	Neutral

बदलते ज़माने का अखबार

पीपुल्स समाचार

न्यूज पोर्टल राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रादेशिक खेल व्यापार

भोपाल सिटी Page: 3 July 05, 2023

2026 तक पूरा होगा प्रोजेक्ट, 2027 से 30 किमी लंबे रूट पर दौड़ेगी मेट्रो

रत्नागिरी से भदभदा तक 1122 करोड़ रु. से बनेगा मेट्रो कॉरिडोर, टेंडर जारी

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल

मो.नं. 9300697983

सुभाष नगर से एम्स के बीच सितंबर तक मेट्रो का ट्रायल रन होना है। हालांकि मौजूदा हालातों में आसार कम नजर आ रहे हैं। इधर, मेट्रो कंपनी ने रत्नागिरी तिराहे से भदभदा चौराहा और एम्स से करोंद तक प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर की कवायद शुरू हो गई है।

रत्नागिरी तिराहे से भदभदा चौराहे तक 14 किमी एलिवेटेड रूट पर मेट्रो दौड़ेगी। इसमें 13 मेट्रो स्टेशन, रोलिंग स्टॉक समेत अन्य निर्माण कार्यों में 1122 करोड़ खर्च होंगे और इसकी डेडलाइन 2026 तय की गई है। वहीं एम्स से करोंद तक करीब 16 किमी मेट्रो कॉरिडोर की डेडलाइन 2027 तय की गई है। यह सभी मेट्रो कॉरिडोर राजधानी में 30 किमी लंबे मेट्रो प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक करीब 5 किमी प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का निर्माण चल रहा है। इस एलिवेटेड रूट का सितंबर 2023 से ट्रायल रन होना है। इस रूट का 90 फीसदी सिविल वर्क हो चुका है। अब ट्रैक बिछाने और इलेक्ट्रीफिकेशन से संबंधित काम किए जा रहे हैं। वहीं सुभाष नगर से करोंद तक करीब 9.83 किमी एलिवेटेड और अंडरग्राउंड कॉरिडोर निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। जल्द ही इस मार्ग का निरीक्षण करने और इसमें रोड़ा बन रहे निर्माण कार्य को हटाने के बाद कॉरिडोर का काम शुरू किया जाएगा।

अंडरग्राउंड ट्रैक के लिए 60 हजार घन मीटर पत्थर की होगी खुदाई: ऑरेंज लाइन में ऐशबाग स्थित आरा मिल से डीआईजी बंगला तक दो किलोमीटर का मेट्रो ट्रैक अंडरग्राउंड होगा। इसके अंदर दो मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। इसमें इलेक्ट्रीफिकेशन, पत्थरों की खुदाई समेत अन्य कार्यों पर 892 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस दौरान दो किमी टनल बनाने के लिए 60 हजार घन मीटर पत्थर निकालना पड़ेगा।

दिव्यांगों के लिए रहेंगी विशेष सुविधाएं: मेट्रो स्टेशन, लिफ्ट और टिकट काउंटर पर दिव्यांगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां दृष्टबाधितों के लिए ब्रेल लिपि का इस्तेमाल भी किया जाएगा। सीढ़ियों के साथ दिव्यांगों के लिए अलग से साइड रेलिंग और नीचे चलने के लिए विशेष प्रकार की टाइल्स लगाई जाएंगी।

सुभाष नगर से करोंद तक 647 करोड़ से बनेगा एलिवेटेड रूट

एम्स से सुभाष नगर तक करीब 16 किमी एलिवेटेड, भूमिगत कॉरिडोर में मेट्रो का संचालन किया जा रहा है। इसमें एम्स से सुभाष नगर तक 90 फीसदी सिविल वर्क पूरा हो गया है। अब सुभाष नगर से ऐशबाग स्थित आरा मिल तक एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा। इसके आगे आरा मिल से मेट्रो भूमिगत हो जाएगी, जो सिंधी कॉलोनी के पास बड़े बाग से एलिवेटेड कॉरिडोर तक पहुंचेगी। डीआजी बंगला से करोंद तक फिर एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण होगा। इसमें 647 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

" हमारी प्राथमिकता सितंबर 2023 तक प्रॉयोरिटी कॉरिडोर में मेट्रो का ट्रायल रन करने की है। इसके लिए सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक सिविल वर्क पूरा किया जा रहा है। इसके बाद सुभाष नगर से करोंद और फिर रत्नागिरी से भदभदा तक मेट्रो कॉरिडोर का कार्य शुरू होगा।

मनीष सिंह, एमडी, मप्र मेट्रो

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	Times of India Indore	Bhopal	05.07.2023	04	Twin Tracks of Development	Neutral

TWIN TRACKS OF DEVELOPMENT

Pravin Barnale

Metro Rail construction work at Indore's Super Corridor is going on in full swing

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	नव दुनिया	भोपाल	05.07.2023	03	रत्नागिरी से भदभदा तक 1122 करोड़ रुपये से मेट्रो कॉरिडोर, 13 स्टेशन बनेंगे	Neutral

रत्नागिरी से भदभदा तक 1122 करोड़ रुपये से मेट्रो कारिडोर, 13 स्टेशन बनेंगे

भूमिगत कारिडोर के टेंडर हुए ● 2026 तक पूरा होगा प्रोजेक्ट, 2027 से दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। राजधानी में रत्नागिरी तिराहे से भदभदा चौराहे तक 14 किमी एलिवेटेड मार्ग में मेट्रो का संचालन किया जाना है। इसमें एलिवेटेड कारिडोर, 13 मेट्रो स्टेशन, रोलिंग स्टाक समेत अन्य निर्माण कार्यों में 1122 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वर्ष 2026 तक ये प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा। जबकि एम्स से करोंद तक प्रस्तावित करीब 16 किमी कारिडोर का काम 2027 तक पूर्ण होगा। इसके बाद शहर के 30 किमी मार्ग में मेट्रो का संचालन किया जाएगा।

सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक करीब पांच किमी के प्रायोरिटी कारिडोर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस एलिवेटेड मार्ग में सितंबर 2023 से मेट्रो का ट्रायल रन करना है। इस मार्ग का 90 प्रतिशत सिविल वर्क पूरा हो गया है। अब ट्रैक बिछाने और इलेक्ट्रिफिकेशन से संबंधित कार्य किए जा रहे हैं। जबकि सुभाष नगर से करोंद तक करीब 9.83 किमी एलिवेटेड व भूमिगत कारिडोर निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं।

पत्थरों की खोदाई पर 892 करोड़ रुपये खर्च होंगे : आरा मिल से डीआइजी बंगला तक दो किमी का मेट्रो ट्रैक भूमिगत होगा। दो मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसमें पत्थरों की खोदाई समेत अन्य कार्यों में 892 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

सुभाष नगर-करोंद : 647 करोड़ से बनेगा एलिवेटेड कारिडोर

एम्स से सुभाष नगर तक करीब 16 किमी कारिडोर के लिए काम चल रहा है। इसमें 90 फीसद सिविल वर्क पूरा हो गया है। डीआइजी बंगला से करोंद तक फिर एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण होगा। इसमें 647 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

दिव्यांगों के लिए रहेंगी विशेष सुविधाएं : मेट्रो स्टेशन, लिफ्ट और टिकट काउंटर पर दिव्यांगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां दृष्टबाधितों के लिए ब्रेल लिपि का इस्तेमाल भी किया जाएगा। दिव्यांगों के लिए अलग से साइड रेलिंग लगाई जाएगी।

अभी हमारी प्राथमिकता सितंबर 2023 तक प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का ट्रायल रन करने की है। इसके लिए सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक सिविल वर्क पूरा किया जा रहा है। इसके बाद सुभाष नगर से करोंद और रत्नागिरी से भदभदा तक मेट्रो कारिडोर का कार्य शुरू होगा।

- मनीष सिंह, एमडी मप्र मेट्रो

बीसीएलएल की बसों में चलेंगे एनसीएमसी कार्ड, इससे मेट्रो में भी कर सकेंगे यात्रा

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) शहर में परिवहन सेवा को और बेहतर बनाने के लिए जल्द ही अपनी बसों में एनसीएमसी (नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड) को लागू करेगा। इसके लिए मंगलवार को पांच कंपनियों ने क्रियान्वयन को लेकर अभिरुचि दिखाई है। इसके द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर कैशलेस सुविधा को बढ़ावा देने के लिए बीसीएलएल के अधिकारी जल्द ही निविदा मंगाएंगे। बड़ी बात ये है कि एक कार्ड से ही यात्री बस, ट्रेन व मेट्रो की सवारी कर सकेंगे। इसके साथ ही चयनित अन्य स्थानों पर भी इस कार्ड से भुगतान की सुविधा होगी।

बीसीएलएल द्वारा लोक परिवहन सेवा के अंतर्गत विभिन्न 24 मार्गों पर चार बस आपरेटर्स के माध्यम से 368 सिटी बसों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में चारों बस आपरेटर्स द्वारा स्वयं के स्तर पर कार्ड जारी किए जा रहे हैं, जो संबंधित बस आपरेटर की बसों में ही लागू होते हैं। ऐसे में बीसीएलएल जल्द ही एनसीएमसी कार्ड की सुविधा शुरू करने जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक, सी-डेक इंडिया, पे-टीएम पेमेंट्स बैंक, एयरटेल पेमेंट बैंक एवं मेसर्स एमनेक्स इंफोटेक्नालाजी प्रा. लिमिटेड ने रुचि दिखाई है।

अभी इन शहरों में लागू है एनसीएमसी कार्ड: वर्तमान में एनसीएमसी कार्ड की सुविधा चुनिंदा शहरों में ही मिल रही है। इनमें दिल्ली मेट्रो, मुम्बई बेस्ट बस, अहमदाबाद, गोवा में ही लागू है। इसके अतिरिक्त भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड द्वारा नगर वासियों को इसकी सौगात दी जाएगी।

एनसीएमसी कार्ड से मिलेंगी ये सुविधाएं

- यह कार्ड भोपाल एवं प्रदेश के अतिरिक्त सम्पूर्ण भारत में उपयोग किया जा सकता है।
- यह आनलाइन एवं आफलाइन दोनों प्रकार से कार्य करेगा।
- इससे सिटी बसों के मासिक पास एवं टिकटिंग की जा सकेगी।
- इंटरसिटी बसों में किराया भुगतान किया जा सकेगा।
- मेट्रो रेल एवं वाहनों के पार्किंग के लिए उपयोग किया जा सकेगा।
- पब्लिक बायसिकल शेयरिंग के लिए उपयोग किया जा सकेगा।
- टोल प्लाजा व निगम की विभिन्न सेवाओं में उपयोग किया जा सकेगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	पत्रिका	भोपाल	05.07.2023	02	नैशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड: लो फ्लोर, टोल ओर मेट्रो मे इस्तेमाल	Neutral

पत्रिका

प्रोजेक्ट पर बीसीएलएल के साथ कंपनियों की चर्चा

नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्डः लो फ्लोर, टोल और मेट्रो में इस्तेमाल

भोपा. भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड की ओर से शहर में जल्द ही नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड लांच किया जाएगा। अभी ये दिल्ली मेट्रो, मुम्बई बेस्ट बस, अहमदाबाद, गोवा में ही लागू है। इस कार्ड के जरिए यात्री लो फ्लोर बसों के अलावा मेट्रो रेल सेवा में भी आसानी से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। दिल्ली मॉडल की तर्ज पर ये प्रयोग भोपाल में किया जा रहा है।

मंगलवार को इस मामले में बीसीएलएल की अलग अलग वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनियों के साथ चर्चा हुई है। वर्तमान में बीसीएलएल के चारों बस ऑपरेटर्स द्वारा स्वयं के स्तर पर कार्ड जारी किये जा रहे हैं, जो कि संबंधित बस ऑपरेटर की बसों में ही लागू होते हैं। इसके फलस्वरूप यात्रियों को एक कार्ड के माध्यम से समस्त संचालित बसों में यात्रा की सुविधा प्राप्त नहीं हो पाती है। ये कार्ड बैंक के माध्यम से जारी किए जाएंगे। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित कार्ड परियोजना के अंतर्गत बस ऑपरेटरों द्वारा प्रचलित विभिन्न पास व्यवस्था के स्थान पर एक ही प्रकार के कार्ड बीसीएलएल द्वारा जारी होंगे।

Date: 05/07/2023, Edition: Bhopal, Page: 2
Source : https://epaper.patrika.com/

MPMETRO

METRO NEWS

06th JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	पत्रिका	भोपाल	06.07.2023	2	आकार लेने लगे मेट्रो के स्टेशन	Positive

पत्रिका

भोपाल प्राइम
BHOPAL PRIME

पत्रिका. भोपाल, गुरुवार 06 जुलाई 2023 | 02

पढ़ें ज्यादा खबरें, देखें फोटो/वीडियो
#Readers Connect Bhopal News
www.facebook.com/groups/bhopalvoice
इन आइकन से जुड़ी सामग्री पत्रिका भोपाल वॉयस फेसबुक ग्रुप पर पढ़ें, अपनी खबरें भी भेजें
क्यूआर कोड मोबाइल से करें स्कैन
खबरें | समस्याएं | सुझाव | फोटो | वीडियो | पॉडकास्ट
भोपाल की खबरें www.patrika.com/bhopal-news पर भी देखें

पत्रिका जनप्रहरी
स्वच्छ रहे राजनीति
janprahari.patrika.com

आओ बनें जनप्रहरी

- क्या आप **देश और समाज के हालात में सकारात्मक बदलाव** लाना चाहते हैं?
- क्या आप भी एक **शिक्षित और प्रशिक्षित नेतृत्व** का हिस्सा बनना चाहते हैं?
- क्या आप **जन प्रतिनिधि बनने का साहस** रखते हैं?

जनप्रहरी अभियान के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। अभियान के प्रति उत्साह को देखते हुए **आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जुलाई** की जा रही है।

तो पत्रिका के जनप्रहरी अभियान से जुड़ें

आकार लेने लगे मेट्रो के स्टेशन

मेट्रो ट्रेन स्टेशन: एम्स से करोंद चौराहा तक पर्पल लाइन के स्टेशन अब आकार लेने लगे हैं। एम्स से करोंद तक 16 स्टेशन बनने हैं। अभी इसमें एम्स से सुभाष नगर तक के स्टैंड बनाए जा रहे हैं। इसके आगे की जमीन अधिग्रहण का काम जिला प्रशासन कर रहा है। इसके बाद 6.22 किमी रूट से आगे के स्टेशन बनाए जाएंगे।

यहां है मेट्रो के स्टेशन: एम्स, अल्कापुरी बस स्टैंड, हबीबगंज नाका, कमलापति स्टेशन, सरगम टॉकीज, बोर्ड आफिस चौराहा, केंद्रीय विद्यालय, सुभाष नगर, पुल बोगदा, ऐशबाग क्रॉसिंग, भोपाल जंक्शन, नादरा बस स्टैंड, सिंधी कॉलोनी, कृषि उपज मंडी, करोद चौराहा। इन स्टेशनों पर फूड प्लाजा के साथ पार्किंग भी बनाई जा रही है।

Date: 06/07/2023, Edition: Bhopal, Page: 4
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	हरि भूमि	भोपाल	06.07.2023	03	भोपाल मेट्रो के सुभाष नगर स्टेशन पर शेड का काम शुरू	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 6 जुलाई 2023

ट्रायल रूट के शेष चार स्टेशन पर भी शेड लगेंगे

भोपाल मेट्रो के सुभाष नगर स्टेशन पर शेड का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

भोपाल मेट्रो रेल का काम अब ट्रायल के अंतिम चरण में शुरू हो गया है। मेट्रो के सुभाष नगर डिपो व स्टेशन पर बिजली कनेक्शन पूरा होने के बाद बुधवार से शेड का काम भी शुरू हो गया।

कानपुर की कंपनी ने इस शेड को बनाने का काम शुरू हो गया है। सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक दोनों तरफ की पटरी बिछने के बाद सबसे पहले सुभाष नगर स्टेशन पर शेड लगाया जा रहा है। इसके बाद ट्रायल रूट के शेष चार स्टेशन पर शेड लगेंगे। मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार अगले माह मेट्रो रेल की तीन बोगी आ जाएंगी, जो सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक चलेंगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	स्वदेश	भोपाल	06.07.2023	03	एक कार्ड से ही यात्री बस, ट्रेन व मेट्रो मे यात्रा कर सकें	Neutral

बीसीएलएल की बसों में भी चलेगा यह कार्ड, पांच कंपनियों ने दिखाई रुचि

एक कार्ड से ही यात्री बस, ट्रेन व मेट्रो में यात्रा कर सकेंगे

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) शहर में परिवहन सेवा को और बेहतर बनाने के लिए जल्द ही अपनी बसों में एनसीएमसी (नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड) को लागू करेगा। इसके लिए मंगलवार को पांच कंपनियों ने कियान्वयन को लेकर अभिरुचि दिखाई है। इसके द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर कैशलेस सुविधा को बढ़ावा देने के लिए बीसीएलएल के अधिकारी जल्द ही निविदा मंगाएंगे। बड़ी बात ये है कि एक कार्ड से ही यात्री बस, ट्रेन व मेट्रो की सवारी कर सकेंगे। इसके साथ ही चयनित अन्य स्थानों पर भी इस कार्ड से भुगतान की सुविधा होगी। बता दें कि बीसीएलएल द्वारा लोक परिवहन सेवा के अंतर्गत विभिन्न 24 मार्गों पर चार बस आपरेटर्स के माध्यम से 368 सिटी बसों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में चारों बस आपरेटर्स द्वारा स्वयं के स्तर पर कार्ड जारी किए जा रहे हैं, जो कि संबंधित बस आपरेटर की बसों में ही लागू होते हैं। जिसके फलस्वरूप यात्रियों को एक कार्ड के माध्यम से समस्त संचालित बसों में यात्रा की सुविधा प्राप्त नहीं हो पाती है। ऐसे में बीसीएलएल जल्द ही एनसीएमसी कार्ड की सुविधा शुरु करने जा रहा है।

एनसीएमसी कार्ड से मिलेंगी ये सुविधाएं

- यह कार्ड भोपाल एवं प्रदेश के अतिरिक्त सम्पूर्ण भारत में उपयोग किया जा सकता है।
- यह ऑनलाइन एवं आफलाईन दोनों प्रकार से कार्य करेगा।
- इससे सिटी बसों के मासिक पास एवं टिकिटिंग की जा सकेगी।
- इंटरसिटी बसों में किराया भुगतान किया जा सकेगा।
- मेट्रो रेल एवं वाहनों के पार्किंग हेतु उपयोग किया जा सकेगा।
- पब्लिक बाईसकिल शेयरिंग हेतु उपयोग किया जा सकेगा।
- टोल प्लाजा व निगम की विभिन्न सेवाओं में उपयोग किया जा सकेगा।

अभी इन शहरों में लागू है एनसीएमसी कार्ड

वर्तमान में एनसीएमसी कार्ड की सुविधा चुनिंदा शहरों में ही मिल रही है। इनमें दिल्ली मेट्रो, मुम्बई बेस्ट बस, अहमदाबाद, गोवा में ही लागू है। इसके अतिरिक्त भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड द्वारा नगर वासियों को इसकी सौगात दी जाएगी।

MPMETRO

METRO NEWS

07th JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	Times of India	Bhopal/Indore	07.07.2023	3	High Paced Development	Positive

HIGH-PACED DEVELOPMENT

Dharmendra Khatke

MP Metro Rail Corporation (MPMRCL) is aiming to start a trial run of Indore Metro in September but its commercial run is unlikely to start till March

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	Times of India	Bhopal	07 .07.2023	02	Bhopal ready to jump on '1 nation 1 card' bandwagon	Neutral

Pg-02

TIMES CITY

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | FRIDAY, JULY 7, 2023

Bhopal ready to jump on '1 nation 1 card' bandwagon

Metro Travel Will Also Feature In NCMC Transport Initiative

TIMES NEWS NETWORK

A RIDE INTO THE FUTURE

What is NCMC

- It is a bank-issued card on debit/credit/ prepaid product platforms
- The stored value on the card supports offline transactions across all travel needs with minimal financial risk to involved stakeholders
- The same card can be used at ATMs, merchant establishments and for e-commerce payment

The customer may use this single card for payments across all segments including Metro, bus, railways, toll, parking and retail

- The service area feature of this card supports operator-specific applications (for example monthly pass and season ticket)
- NCMC card has a read-write embedded chip (Europay, Mastercard, Visa) with an in-built wallet. The money is deducted automatically and quickly from the wallet as you tap on any NCMC compliant machine of any mode of transport

Can be used in various services of the corporation

Tech-aways

- The card can be used all over India
- **Will work both online and offline**
- Monthly passes and ticketing of city buses
- **Can be used for travel in intercity buses**
- Can be used for parking
- **Can be used for public bicycle sharing**
- Can be used for toll plaza

Bhopal: Niti Aayog's 'One Nation One Card' initiative is getting closer to become a reality in Bhopal. After floating an expression of interest earlier this year, city bus operator Bhopal city link limited (BCLL) is anticipating a rollout during the current fiscal.

"Most transport operators in main cities already have smart cards to make payments. We are looking at integration of all into one. One card to pay for bus, metro and the same card can work nationally," said BCLL and Bhopal smart city development corporation limited (BSCDCL) CEO, Gourav Benal.

This week, top five industry players have expressed their interest. Each made an hour-long presentation. BCLL would move ahead with the tendering and implementation stage, he added.

Integration of back-end, IT and payment gateway process is the key. On a city level, the challenge gets more complicated. BCLL has four operators and each has a different payment gateway tie-up. For them to come on board and opt for the same system will take some time. Newer transport options, like Bhopal and Indore metro are expected to be integrated on the 'one nation, one card' right from day 1. MP metro rail corporation limited (MPMRCL) would also offer National Common Mobility Card (NCMC). In 2019, during his visit to Bhopal smart city office, Niti Aayog chairman Amitabh Kant talked about the 'One Nation One Card' initiative aimed at making end-to-end travel for citizens seamless and convenient. Simply put, one card that could be used in Delhi or Mumbai metro and a bus service in Bhopal. As a MoHUA policy, transit payments should be made interoperable. The challenge lies in card issuance, transaction acquiring, supporting common passes across all operators, offline payments and revenue sharing. BCLL has already begun the process of a new Integrated Transit Management System (ITMS). Currently, only two of the four operators of BCLL with 227 buses are NCMC compatible. 142 other buses under two other operators. For NCMC to become a true integrator, the Bhopal Municipal Corporation (BMC) and other agencies handling state and national highway tolls would have to come on the same platform.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	नई दुनिया	भोपाल	07.07.2023	03	मेट्रो निर्माण के लिए ईआईबी देगा 450 करोड़ रुपये	Neutral

मेट्रो निर्माण के लिए ईआइबी देगा 450 करोड़ रुपये

भोपाल। मेट्रो परियोजना के पहले चरण में एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो कारिडोर का निर्माण करना है। बीते चार वर्षों से चल रहे निर्माण कार्य के बाद भी अभी एम्स से सुभाष नगर तक करीब छह किलोमीटर का एलिवेटेड ट्रैक ही बन पाया है। हालांकि इस मामले में अधिकारियों का कहना है कि यूरोपियन इंवेस्टमेंट बैंक से पहली किस्त 450 करोड़ रुपये मिलना है, जो जल्द ही जारी होगी। इसके बाद एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो ट्रैक के निर्माण में तेजी आएगी। गौरतलब है कि भोपाल मेट्रो पर पर परियोजना की कुल लागत का 60 प्रतिशत बैंकों से कर्ज लेगा। इसमें 50 प्रतिशत हिस्सा यूरोपियन इंवेस्टमेंट बैंक का है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	स्वदेश	भोपाल	07.07.2023	03	1122 करोड़ रुपये से बनेगा मेट्रो कॉरिडोर, 13 स्टेशन भी बनेगे, वर्ष 2026 तक पूरी होगी परियोजना	Neutral

स्वदेश

2027 से रत्नागिरी से भदभदा तक 30 किलोमीटर में दौड़ेगी मेट्रो

1122 करोड़ रुपए से बनेगा मेट्रो कॉरिडोर, 13 स्टेशन भी बनेंगे, वर्ष 2026 तक पूरी होगी परियोजना

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

राजधानी में रत्नागिरी तिराहे से भदभदा चौराहे तक 14 किलोमीटर एलिवेटेड मार्ग में मेट्रो का संचालन किया जाना है। इसमें एलिवेटेड कारिडोर, 13 मेट्रो स्टेशन, रोलिंग स्टाक समेत अन्य निर्माण कार्यों में 1122 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वर्ष 2026 तक ये प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा। जबकि एम्स से करोंद तक प्रस्तावित करीब 16 किलोमीटर कारिडोर का काम 2027 तक पूर्ण होगा। इसके बाद शहर के 30 किलोमीटर मार्ग में मेट्रो का संचालन किया जाएगा। बता दें कि सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक करीब पांच किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस एलिवेटेड मार्ग में सितंबर 2023 से मेट्रो का ट्रायल रन करना है। इस मार्ग का 90 प्रतिशत सिविल वर्क पूरा हो गया है। अब ट्रैक बिछाने और विद्युतीकरण से संबंधित कार्य किए जा रहे हैं। जबकि सुभाष नगर से करोंद तक करीब 9.83 किलोमीटर एलिवेटेड व भूमिगत कारिडोर निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। जल्द ही इस मार्ग का निरीक्षण करने और इसमें रोड़ा बन रहे निर्माण को हटाने के बाद कारिडोर का काम शुरु किया जाएगा।

इनका कहना है

अभी हमारी प्राथमिकता सितंबर 2023 तक प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का ट्रायल रन करने की है। इसके लिए सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक सिविल वर्क पूरा किया जा रहा है। इसके बाद सुभाष नगर से करोंद और रत्नागिरी से भदभदा तक मेट्रो कारिडोर का कार्य शुरु होगा।

■ मनीष सिंह, एमडी मप्र मेट्रो

दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाएं रहेंगी

मेट्रो स्टेशन, लिफ्ट और टिकट काउंटर पर दिव्यांगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि का इस्तेमाल भी किया जाएगा। सीढ़ियो के साथ दिव्यांगों के लिए अलग से साइड रेलिंग और नीचे चलने के लिए विशेष प्रकार की टाइल्स लगाई जाएगी।

60 हजार घन मीटर पत्थर की होगी खोदाई भूमिगत ट्रैक के लिए

आरेंज लाइन में ऐशबाग स्थित आरा मिल से डीआइजी बंगला तक दो किलोमीटर का मेट्रो ट्रैक भूमिगत होगा। इसके अंदर दो मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसमें विद्युतीकरण, पत्थरों की खोदाई समेत अन्य कार्यों में 892 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस दौरान दो किलोमीटर सुरंग बनाने के लिए 60 हजार घन मीटर पत्थर निकालना पड़ेगा।

647 करोड़ रुपए से बनेगा सुभाष नगर से करोंद तक एलिवेटेड कॉरिडोर

एम्स से सुभाष नगर तक करीब 16 किलोमीटर एलिवेटेड व भूमिगत कारिडोर में मेट्रो का संचालन किया जा रहा है। इसमें एम्स से सुभाष नगर तक 90 फीसद सिविल वर्क पूरा हो गया है। अब सुभाष नगर से ऐशबाग स्थित आरा मिल तक एलिवेटेड कारिडोर बनेगा। जबकि इसके आगे आरा मिल से मेट्रो भूमिगत हो जाएगी, जो सिंधी कालोनी के पास स्थित बड़े बाग से एलिवेटेड कारिडोर तक पहुंचेगी। डीआईजी बंगला से करोंद तक फिर एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण होगा। इसमें 647 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

लाल, पीली, हरी लाइट्स की बजाय कंम्युनिकेशन बेस्ड कंट्रोल सिस्टम से दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल मेट्रो ट्रेन अन्य मेट्रो या परंपरागत ट्रेनों की तरह अलग-अलग रंग की लाइट्स के सिग्नलिंग सिस्टम की बजाय कंप्युनिकेशन बेस्ड कंट्रोल सिस्टम से चलेगी या रूकेगी। दिल्ली के बाद भोपाल में ड्रायवरलेस मेट्रो होगी और इसके लिए ये जरूरी है। भोपाल की मेट्रो में स्टील व्हील तकनीक होगी, जिससे 750 डीसी करंट सिस्टम से ट्रेन को ट्रेक पर बढ़ाएगी। मेट्रो ट्रेन 1453 एमएम के स्टैंडर्ड गेज पर 90 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी। भोपाल मेट्रो ट्रेन को ड्रायवरलेस ऑपरेटिंग सिस्टम से चलाया जाएगा। यहां ऑटोमेटिक ट्रेन कंट्रोल भी सिस्टम होगा जो ड्रायवरलेस ऑपरेशन और ऑटोमेटिक ट्रेन सुपरविजन के तहत काम करेगा। कंप्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोलिंग से मेट्रो की सुरक्षा पुख्ता करने की कोशिश की गई है। मेट्रो को चलाने के लिए ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन चार मॉडल का उपयोग होगा। अपनी तरह से ये पहला मॉडल होगा जो भोपाल में अपनाया जाएगा। शुरुआत में जीओए दो मॉडल से ट्रायल होगा। बाद में चार नंबर के मॉडल से इसे बदल दिया जाएगा। ये पूरी तरह से ऑटोमेटिक संचालन के लिए होता है। गौरतलब है कि भोपाल मेट्रो के पहले चरण की दो लाइनों की लंबाई 28 किमी होगी। अभी सितंबर 2023 में प्रायोरिटी कॉरीडोर के तहत साढ़े तीन किमी लंबाइर का ट्रेक शुरू होगा। वर्ष 2027 में पहले चरण की दोनों लाइनों का काम पूरा हो जाएगा। भोपाल में 77 .13 किमी तक मेट्रो का विस्तार होने की उम्मीद है। इसके पहले फेज की लागत 6941 .40 करोड़ रुपए है। पहले फेस में 2027 तक रोजाना 2 .20 लाख यात्री रोजाना यात्रा करने का आंकलन।

MPMETRO

METRO NEWS

08th JULY, 2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	08.07.2023	3	पाँच मेट्रो स्टेशन पर चढ़े सभी गर्ड माह तक पूरा हो जाएगा काम	Neutral

निर्माण के लिए शायद ही पड़े ट्रैफिक डायवर्ट करने की जरूरत

पांच मेट्रो स्टेशन पर चढ़े सभी गर्डर अगस्त माह तक पूरा हो जाएगा काम

भोपाल ▪ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में प्रायोरिटी कॉरिडोर यानि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से सुभाष नगर के बीच पांच मेट्रो स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। इन सभी पर शुक्रवार को गर्डर लगाने का काम पूरा हो गया। अब स्टेशन निर्माण के लिए रूट ब्लॉक या डायवर्ट करने की आवश्यकता नहीं होगी। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारी अगस्त माह तक पांचों स्टेशनों को तैयार करने का टारगेट लेकर चल रहे हैं।

शहर में मेट्रो का पहला रूट एम्स से करोंद तक है। इसके आधे हिस्से यानि एम्स से सुभाष नगर के बीच जमीन के ऊपर रूट बनाने का कार्य वर्ष 2018 के आखिर में शुरू किया गया था। सिविल वर्क पूरा हो चुका है। बाकी कार्य चल रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो का ट्रायल रन सितंबर तक करने की डेडलाइन तय की थी। यह चार किमी लंबा होगा। ऐसे में मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने प्लानिंग में बदलाव किया। ट्रायल रन के लिए तय हिस्से पर फोकस किया जाने लगा। इस पैच में मेट्रो कोच, ट्रेक, सिग्नलिंग, इलेक्ट्रिक समेत अन्य कार्य एक साथ किए जा रहे हैं। सुभाष नगर में स्टड फार्म की जमीन पर डिपो बनाया जा रहा है। यहां एक साथ चार ट्रेन खड़ी हो सकेंगी।

426 करोड़ रुपए से बन रहे आठ स्टेशन

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नवंबर, 2021 में एम्स से सुभाष नगर के बीच आठ मेट्रो स्टेशन के निर्माण का भूमिपूजन किया था। हैदराबाद की यूआरसी कंस्ट्रक्शन को इसका जिम्मा सौंपा गया है। स्टेशनों का आकार देने पर 426 करोड़ रुपए खर्च होगा। एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति स्टेशन, डीबी सिटी, एमपी नगर जोन 1, आयकर भवन और सुभाष नगर अंडरब्रिज के पास जमीन के ऊपर स्टेशन बनाए जाना हैं। मौजूदा स्थिति में रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर रूट के पांच स्टेशन का काम तेजी से किया जा रहा है। कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि इन स्टेशन के लिए सभी गर्डर लॉन्च कर लिए गए हैं। अब स्टेशन के स्ट्रक्चर के अंदर के काम बाकी हैं। ऐसे में स्टेशन निर्माण से ट्रैफिक की आवाजाही प्रभावित नहीं होगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	दैनिक भास्कर	भोपाल/इं	08.07.2023	06	अधोसंरचना निर्माण मे गढ़े नए आयाम	विज्ञापन

भोपाल 08-07-2023

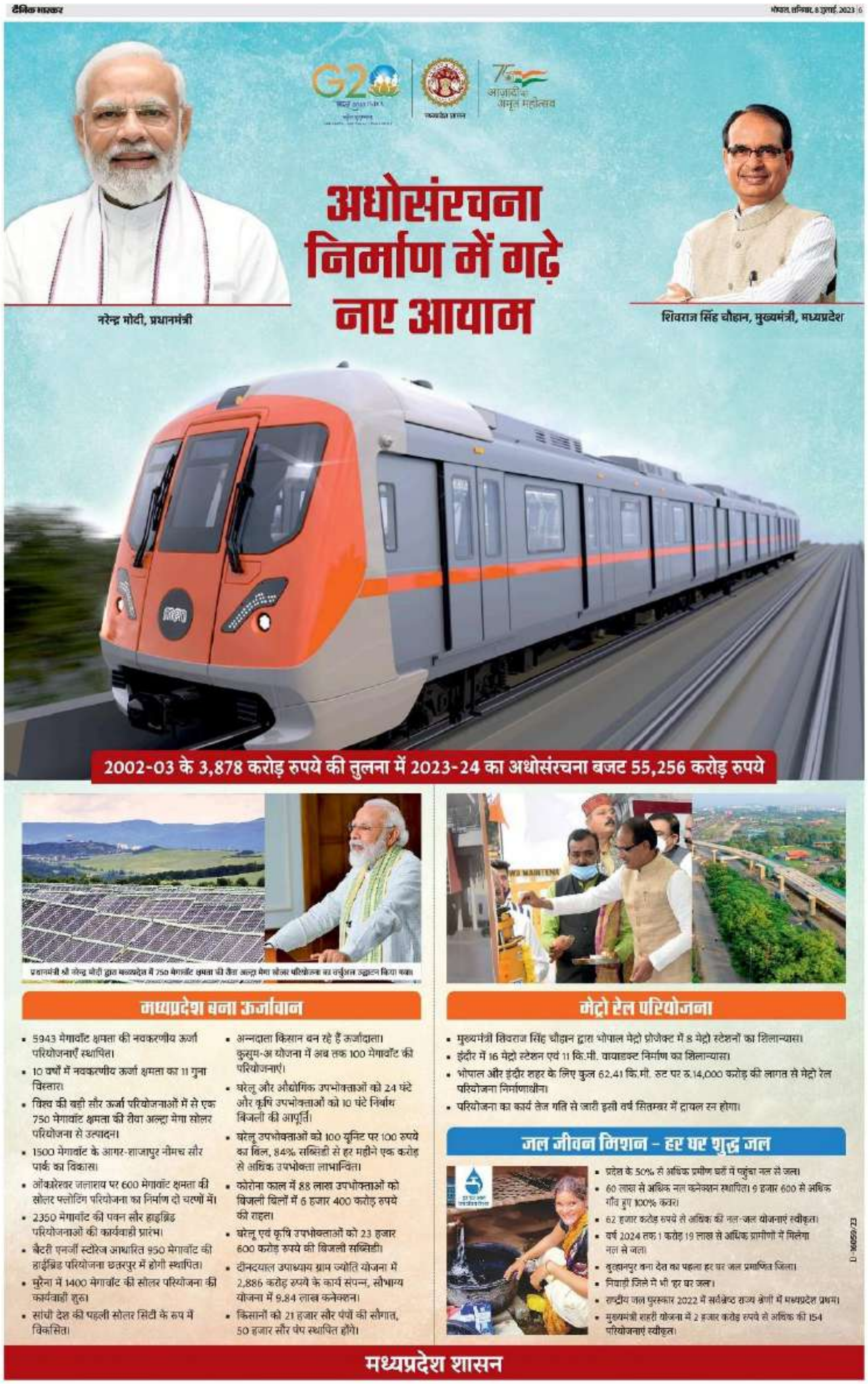

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	09.07.2023	03	मेट्रो के एक कोच मे सवार हो सकें दो साल बाद बिना ड्राइवर के चलेगी	Neutral

(श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी 2080)
वर्ष - 19
अंक - 109
पृष्ठ - 12
मूल्य - ₹4.00

सच कहने का साहस और सलीका
राज एक्सप्रेस

भोपाल
रविवार, 09 जुलाई 2023

■ भोपाल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ ग्वालियर ■ रतलाम ■ रीवा ■ सतना ■ छिंदवाड़ा ■ उज्जैन ■ सागर

यह क्यू आर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर
www.rajexpress.co
twitter.com/rajexpressnews
www.facebook.com/rajexpressnews

भोपाल-इंदौर में शुरुआत तीन कोच की ट्रेन से होगा, रफ्तार होगी 90 किमी. प्रतिघंटा

मेट्रो के एक कोच में सवार हो सकेंगे 340 यात्री, दो साल बाद बिना ड्राइवर के चलेगी

● भोपाल / मुक्तेश रावत

राजधानी में रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच दौड़ने वाली मेट्रो में तीन कोच होंगे। प्रत्येक कोच में 40 यात्री बैठ सकेंगे और 300 खड़े होकर सफर कर सकेंगे। इस हिसाब से एक ट्रेन में हजार से ज्यादा लोग यात्रा कर सकेंगे। शुरुआत में ड्राइवर या ट्रेन ऑपरेटर मेट्रो चलाएगा।

दो-तीन साल बाद बिना ड्राइवर के ही मेट्रो चलाई जाएगी। अत्याधुनिक सिग्नलिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर इंदौर में भी ड्राइवरलेस मेट्रो दौड़ेगी। अभी केवल दिल्ली में एक लाइन पर इस तकनीक का उपयोग कर मेट्रो का संचालन किया जा रहा है। मेट्रो को 90 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने के लिए डिजाइन किया गया है। (शेष पेज 6 पर)

जिंदल स्टील बना रहा पटरी अब तक दो किमी. बिछी

मेट्रो के लिए पटरियां (ट्रेक) बनाने का कार्य छत्तीसगढ़ के रायगढ़ स्थित जिंदल स्टील प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया है। वहां दो ग्रेड की पटरियों का निर्माण किया जा रहा है। अब तक भोपाल के लिए 1715 मीट्रिक टन ट्रैक सप्लाई किया जा चुका है। ट्रैक बिछाने का काम एलएंडटी कंपनी देख रही है। मौजूदा स्थिति मे दो किमी लाइन बिछाई जा चुकी है।

31 अगस्त तक आएगी तीन-तीन कोच की ट्रेन

मेट्रो के कोच का निर्माण अल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया के वड़ोदरा (गुजरात) स्थित प्लांट मे किया जा रहा है। यह काम मार्च में शुरू किया गया। कोच की लंबाई 22 मीटर और चौड़ाई 2.9 मीटर होगी। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारी 31 अगस्त तक तीन-तीन कोच की एक-एक ट्रेन भोपाल व इंदौर पहुंचने की संभावना जता रहे है। भोपाल के लिए तीन डिब्बो वाली कुल 27 ट्रेन का निर्माण किया जाना है। यह अन्य प्रस्तावित रूट पर चलाई जाएंगी। वही, इंदौर के लिए 25 ट्रेन आएंगी। भोपाल और इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट मे रोलिंग स्टॉक (कोच) का 15 साल तक व्यापक रखरखाव, सिग्नलिंग, ट्रेन नियंत्रण और दूरसंचार प्रणालियो के लिए सात साल तक का मेंटेनेंस भी शामिल है।

मेट्रो ट्रेन में होंगे यह खास इंतजाम

- प्रत्येक ट्रेन अत्याधुनिक टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम से जुड़ी रहेगी
- यात्रियों के लिए इमरजेंसी हेल्प प्वाइंट सिस्टम, कोई दिक्कत होने पर इसके जरिए मेट्रो प्रबंधन व स्टाफ को सूचित कर सकेंगे
- रेलवे स्टेशन परिसर के साथ ही मेट्रो कोच के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगे रहेंगे, इससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी
- पब्लिक एड्रेस सिस्टम, इसकी मदद से यात्रियों को स्टेशन, दूरी और यात्रा में लगने वाले समय समेत अन्य जानकारी दी जाएंगी
- कोच पर पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम ट्रेनों के संचालन के बारे में बताएंगे
- फेयर कलेक्शन का सिस्टम ऑटोमैटिक रहेगा, बिना टिकट या कार्ड स्टेशन मे प्रवेश नहीं कर पाएंगे
- वॉयस रिकॉर्डिंग सिस्टम

मेट्रो के एक कोच में...

इसी के अनुसार ट्रेक व अन्य निर्माण किए जा रहे हैं। दो ट्रेनों के बीच न्यूनतम समय 90 सेकंड का होगा। मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए विद्युत इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने और स्काडा सिस्टम पर 516 करोड़ रुपए खर्च किया जा रहा है। इसमें इंजीनियरिंग, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण, बिजली सप्लाई प्राप्त करने वाले सब स्टेशन, आरएसएस, ट्रेक्शन सब स्टेशन, टीएसएस आदि शामिल है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
27	हरि भूमि	भोपाल	10.07.2023	02	हबीबगं से पहले एम्स तक तीन स्टेशन बनेगे	Neutral

हरिभूमि

भोपाल - मुख्य संस्करण

10 July 2023

डीआरएम कार्यालय से एम्स तक का सिविल वर्क हुआ पूरा

हबीबगंज रेलवे क्रासिंग का मेट्रो स्टील ब्रिज बनने से पहले एम्स तक तीन स्टेशन बनेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हबीबगंज रेलवे क्रासिंग का मेट्रो स्टील ब्रिज बनने से पहले एम्स तक तीन स्टेशन बनेंगे। इसका काम शुरू हो गया हैए क्योंकि डीआरएम से एम्स तक सिविल वर्क पूरा हो गया।

तीन मेट्रो स्टेशन तक बनने के बाद सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो का संचालन शुरू हो जाएगा। जबकि मेट्रो ट्रायल के लिए इस माह के अंत तक पटरी बिछाने का काम भी पूरा होगा।

अलवर से आ रहा 350 टन का ब्रिज

दिल्ली के पंजाबी बाग की तर्ज पर तैयार हो रहा हबीबगंज का स्टील का ब्रिज

हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर मेट्रो ट्रेन सीमेंट कंक्रीट के वाया डक्ट पर नहीं, बल्कि स्टील के ब्रिज से गुजरेगी। दिल्ली के पंजाबी बाग की तर्ज पर 65 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा, 350 टन स्टील ब्रिज अलवर राजस्थान से आ रहा है। इसके लिए क्रॉसिंग के दोनों सिरों पर पिलर का निर्माण चल रहा है। भोपाल मेट्रो अधिकारियों के अनुसार शुरुआती डिजाइन में यहां कंक्रीट का वाया डक्ट ही बनना था, लेकिन रेलवे ने इजाजत देने से इनकार कर दिया था। एम्स से सुभाष नगर तक के 6.22 किमी के प्रायोरिटी रूट पर हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर ही एकमात्र बाधा बची थी। रेलवे और मेट्रो रेल कंपनी के बीच कई दौर की बातचीत के बाद स्टील ब्रिज पर सहमति बनी।

BHOPAL (**भोपाल**)

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
28	नव दुनिया	भोपाल	11.07.2023	3	मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने समीक्षा बैठक मे दिए निर्देश	Neutral

भोपाल सिटी नवदुनिया 03
भोपाल, मंगलवार 11 जुलाई, 2023

मेट्रो रेल कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

वर्षा में नहीं रुकना चाहिए मेट्रो पटरी बिछाने का काम

भोपाल(नवदुनिया प्रतिनिधि)। वर्षा के दौरान मेट्रो रेल पटरी बिछाने का काम रुकना नहीं चाहिए। बेल्डिंग का काम किया जा सके, इसके लिए अस्थायी इंतजाम किए जाएं। किसी भी हालत में 20 अगस्त तक पटरी बिछाने का काम पूरा किया जाए। इसके लिए मजदूरों की संख्या बढ़ाई जाए, जिससे सितंबर में मेट्रो का ट्रायल रन हो सके। यह निर्देश मेट्रो रेल कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने सोमवार को समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए हैं। वह इंदौर- भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के काम की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान निदेशक अजय शर्मा, वित्त निदेशक नीति कोठारी, सिस्टम निदेशक शोभित टंडन, महाप्रबंधक ट्रैक अजय गुप्ता सहित कार्पोरेशन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, जनरल कंसलटेंट आदि मौजूद थे।

भोपाल-इंदौर के मेट्रो कार्य की समीक्षा की गई। ● सौ. मेट्रो रेल कार्पोरेशन

एमडी मनीष सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार भोपाल एवं इंदौर में चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य की प्रगति पर निरंतर नजर रखी जा रही है । इसी क्रम में सितंबर में होने वाले कारिडोर के मेट्रो ट्रायल रन के लक्ष्य को देखते हुए मेट्रो निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर सोमवार को समीक्षा की गई है।

भोपाल में 1715 और इंदौर को मिली 2105 मीट्रिक टन पटरी: बैठक के दौरान अधिकारियों ने मनीष सिंह को बताया कि भोपाल को अब तक 1715 मीट्रिक टन पटरी प्राप्त हो चुकी है। साथ ही वायाडक्ट पर अब तक लगभग दो किलोमीटर पटरी बिछाई जा चुकी है। इंदौर को अब तक 2105 मीट्रिक टन पटरी प्राप्त हो चुकी है। मनीष सिंह ने कहा कि पटरी कार्य में तेजी लाने के लिए मजदूरों की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने ट्रैक कांट्रेक्टर को निर्देश दिए कि 20 अगस्त तक पटरी बिछा दें।

काम बंद रखने पर आपत्ति

मनीष सिंह ने इंदौर मेट्रो में वायाडक्ट पर प्लिन्थ बीम के कार्य को दिन में अनावश्यक रूप से बंद रखने को लेकर जनरल कंसलटेंट के परियोजना निदेशक साइमन फोरी और उप परियोजना निदेशक इंदौर जनरल कंसलटेंट परशुराम व महाप्रबंधक इंदौर मेट्रो रेल के प्रति कड़ी आपत्ति जताई है। साथ ही दूरभाष से इंदौर मेट्रो एवं जनरल कंसलटेंट के अधिकारियों को सख्त निर्देश एवं सचेत किया कि भविष्य में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
29	दैनिक भास्कर	भोपाल	11.07.2023	J2	मेट्रो का सितं ट्रायल.. एमडी ने जताई नाराजगी	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 11-07-2023

Pg-J2

मेट्रो का सितंबर में ट्रायल... एमडी ने जताई नाराजगी

2 माह में 2 किमी बिछी, अब 41 दिन में 6 किमी पटरी बिछाने का टारगेट

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

भोपाल में मेट्रो का ट्रायल 25 सितंबर को होना है। इसके लिए 20 अगस्त तक सुभाष नगर से आरकेएमपी तक 4 किमी के रूट पर अप-डाउन ट्रैक मिलाकर 8 किमी पटरी बिछाने का टारगेट है। लेकिन अब तक सुभाष नगर से केंद्रीय विद्यालय स्टेशन के पास तक 2 किमी पटरी ही बिछ पाई है। पटरी बिछाने का काम मई के पहले सप्ताह से शुरू हुआ था। दो महीने में केवल 2 किमी पटरी ही बिछी है। अब 41 दिन में 6 किमी पटरी बिछाने का टारगेट है।

मेट्रो रेल कंपनी के एमडी मनीष सिंह ने सोमवार को भोपाल और इंदौर में प्रोजेक्ट के काम की समीक्षा की। उन्होंने काम की गति पर नाराजगी जताई। मनीष सिंह ने पटरी बिछाने का काम कर रही एलएंडटी कंपनी के अफसरों को कहा कि वे बारिश में भी पटरी की वेल्डिंग का काम नहीं रुकने दें। इसके लिए लेबर की संख्या बढ़ाने के साथ ही पटरी बिछाने का काम तय समय में पूरा करें।

10 दिन बाद फिर समीक्षा होगी

मनीष सिंह ने दो टूक कहा कि सितंबर में ट्रायल की तारीख तय है। इसे आगे नहीं बढ़ा सकते। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। एमडी ने अफसरों से कहा कि 10 दिन बाद वे फिर से समीक्षा करेंगे और निरीक्षण भी करेंगे।

इंदौर में दिन में काम बंद होने पर नाराजगी... मनीष सिंह ने इंदौर में दिन में काम बंद होने की जानकारी मिलने पर तीखी नाराजगी जताई। वे समीक्षा बैठक के बाद तत्काल इंदौर रवाना हो गए। इंदौर में 10 से 15 सितंबर के बीच ट्रायल होना है। जबकि भोपाल में 25 सितंबर के आसपास ट्रायल होना है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
30	पत्रिका	भोपाल	11.07.2023	05	20 अगस्त तक बिछ जाएगी मेट्रो की पटरी	Neutral

पत्रिका

पढ़ें ज्यादा खबरें, देखें फोटो/वीडियो #Readers Connect Bhopal News www.facebook.com/groups/bhopalvoice

इन आइकन से जुड़ी सामग्री पत्रिका भोपाल वॉयस फेस क्यूआर कोड मोबाइल से करें स्कैन खबरें समस्याएं सुझाव

भोपाल की खबरें www.patrika.com/bhopal

#MetroProject वंदे भारत के पार्ट से लेकर कोचों के कम्पोनेंट भी यहां बन रहे, करीब एक हजार पार्ट्स स्थानीय स्तर पर तैयार किए जाएंगे

गोविंदपुरा इंडस्ट्री के लिए बूस्टर डोज का काम करेगी मेट्रो, बनेंगे कई उपकरण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र को बूस्टर डोज देगी। ट्रेन के मेंटेनेंस के लिए कई छोटे उपकरण स्थानीय इंडस्ट्री से ही तैयार कराए जाएंगे। लोकल स्तर पर ही निर्माण होने से औद्योगिक क्षेत्र की संबंधित कंपनियों को काम मिलने के साथ उनकी लोकल मैन्युफैक्चरिंग में हिस्सेदारी बढ़ेगी। मेट्रो ट्रेन के लिए बोगी, कपलर, ब्रेक, डोर सिस्टम, एचवीएसी सिस्टम के कंपोनेंट आदि छोटे बड़े एक हजार पार्ट्स स्थानीय स्तर पर तैयार किए जाएंगे।

भेल में बनेंगे वंदे भारत के पार्ट्स

एचईएल-टीडब्ल्यूएल (बीएचईएल-टीटागढ़ वैगन्स लिमिटेड) कंसोर्टियम को वंदे भारत ट्रेनों के निर्माण-सह-रखरखाव के लिए रेलवे के सबसे बड़े टेंडरों में से एक में 80 वंदे भारत ट्रेनों का ऑर्डर दिया गया है। 200 ट्रेनों के लिए निविदा में बीएचईएल के नेतृत्व वाला कंसोर्टियम कड़ी प्रतिस्पर्धा के तहत एल-2 बोलीदाता के रूप में आया, जिसे 80 वंदे भारत ट्रेनों के लिए अनुबंधित किया गया है।

स्थानीय उद्यमियों को काम

लिफ्ट, एस्केलेटर, टनल, वेंटिलेशन सिस्टम, पर्यावरण नियंत्रण सिस्टम, ट्रैक्शन, बिजली आपूर्ति से जुड़े उपकरण। इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल सिस्टम में केबल, डीजी सेट, लाइट फिटिंग, पैनल, अग्निशमन आइटम होते हैं साथ ही पर्यावरण मामले में चिलर, फायर रेटेड पेंट, बूस्टर पंखे व अन्य। पावर सप्लाई में थर्ड रेल कंपोनेंट, हाइस्पीड सर्किट ब्रेकर, रेक्टिफायर/ट्रेक्शन सिस्टम, ट्रांसफार्मर, बायपास पैनल व अन्य उपकरण है।

टॉयलेट शीट भी बन रहीं

गोविंदपुरा स्थित सीमा इंटरप्राइजेज के ताहिर खान ने बताया कि उनके पास लखनऊ से डिजाइन आती हैं। वे इनसे कोच कम्पोनेंट तैयार करते हैं। इसके बाद वे आइसीएफ, चेन्नई और कपूरथला भेजते हैं। जहां ये कोच में फिट किए जाते हैं। ये कंपनी जिला उद्योग केंद्र के क्लस्टर में शामिल है।

ऊपर दिए क्यूआर कोड को स्कैन कर सुझाव दें...

हमारी इंडस्ट्री मुख्यत: इंजीनियरिंग पार्ट्स से जुड़ी है। मेट्रो इसी सेगमेंट में है, इसका लाभ जरूर मिलना चाहिए।

अमरजीत सिंह, उद्योगपति गोविंदपुरा

मेट्रो ट्रेन सिर्फ आवागमन ही नहीं, शहर की दशा और दिशा भी बदलेगी। नई नौकरियों के साथ उद्यमियों के लिए बेहतर रहेगी।

मनीष सिंह, एमडी, मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन

20 अगस्त तक बिछ जाएगी मेट्रो की पटरी

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत पटरी का काम 20 अगस्त तक पूरा किया जाएगा। एमडी मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन मनीष सिंह ने ये समय सीमा तय की है। वे सोमवार को प्रोजेक्ट की समीक्षा कर रहे थे। सिंह ने 24 घंटे काम जारी रखने के साथ मजदूरों की संख्या बढ़ाने व बारिश में अस्थाई शेड बनाकर काम जारी रखने का कहा है। सितंबर में ट्रेन का ट्रायल हर हाल में करना है।

भोपाल में दो किमी बिछी पटरियां

भोपाल में अब तक 1715 मीट्रिक टन पटरियों को दो किमी की लंबाई में बिछा दिया गया है। करीब साढ़े तीन किमी लंबाई वाला प्रायोरिटी कॉरीडोर बनाया गया है। सितंबर में इस पर ही ट्रायल शुरू करेंगे। इसमें पांच स्टेशन हैं जिनका बाहरी काम लगभग पूरा हो चुका है। इंटीरियर का भी काफी काम हो चुका है। सिग्निलिंग सिस्टम से जुड़े काम भी शुरू कर दिए गए हैं।

Date: 11/07/2023, Edition: Bhopal, Page: 7
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
31	हरि भूमि	भोपाल	11.07.2023	03	मेट्रो निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर सोमवार को हुई बड़ी समीक्षा बैठक	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, मंगलवार 11 जुलाई 2023
3

मेट्रो निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर सोमवार को हुई बड़ी समीक्षा बैठक

दो दिन के भीतर श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाएगी

अब नहीं बदलेगी सितंबर में ट्रायल की तारीख, बारिश में शेड लगाकर करें पटरियां बिछाने का काम, 20 अगस्त तक हो जाना चाहिए पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल व इंदौर में चल रहे मेट्रो निर्माण कार्यों को लेकर सोमवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन के प्रबंध निदेशक मनीष सिंह द्वारा सितंबर माह में होने वाले प्रायोरिटी कॉरिडर के मेट्रो ट्रायल रन के लक्ष्य को देखते हुए यह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें मेट्रो निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर मेट्रो से संबंधित प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें विशेष रूप से अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बारिश के दौरान भी पटरी बिछाने का काम नहीं रुकना चाहिए। साथ ही दो दिनों के भीतर श्रमिकों की संख्या बढ़ा कर 20 अगस्त तक पटरी बिछाने का काम पूरा हो जाना चाहिए।

एमडी मनीष सिंह ने इंदौर मेट्रो में वायाडक्ट पर प्लिन्थ बीम के कार्य को दिन में अनावश्यक बंद रखने को लेकर जनरल कन्सल्टन्ट के परियोजना निदेशक साइमन फोरी व उप परियोजना निदेशक इंदौर जनरल कन्सल्टन्ट परशुराम व महाप्रबंधक, इंदौर मेट्रो रेल के प्रति कड़ी आपत्ति जाहिर की। बैठक के दौरान फोन से इंदौर मेट्रो व जनरल कन्सल्टेन्ट के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए सचेत किया कि भविष्य मे किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कवर्ड टीनशेड का अस्थाई इंतजाम

एमडी ने एलएंडएमपी भोपाल आईएससी टेकसमेको इंदौर ट्रैक कान्ट्रैक्टर को निर्देश दिए कि बारिश में कार्य रुकने नहीं चाहिए। इसके लिए कवर्ड टीनशेड का अस्थाई इंतजाम करने के निर्देश दिए गए, जिससे पटरी वेल्डिंग का कार्य बाधित न हो। अधिकारियों से पटरी की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछा गया तो इस पर अधिकारियों द्वारा पटरी की वर्तमान प्रगति के बारे में अवगत करवाया गया।

श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश

सिंह द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पटरी के कार्य में तेजी लाने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ानी होगी, जिस पर एलएंडएमपी भोपाल आईएससी टेकसमेको इंदौर ट्रैक कान्ट्रैक्टर को मौके पर निर्देश दिए कि दो दिनों के भीतर श्रमिकों की संख्या बढ़ा कर 20 अगस्त तक पटरी का कार्य पूर्ण कर लिया जाए।

अब तक भोपाल में बिछाई 2 तो इंदौर में एक किलोमीटर पटरी

भोपाल में अब तक लगभग 1715 मीट्रिक टन पटरी प्राप्त हो चुकी है और वायाडक्ट पर अब तक लगभग 2 किमी पटरी बिछाई जा चुकी है, वहीं इंदौर में अब तक लगभग 2105 मीट्रिक टन पटरी प्राप्त हो चुकी है और लगभग 3 किमी वायाडक्ट के साथ 1 किमी डिपो में पटरी बिछाई जा चुकी है।

सिविल कार्य जारी

अधिकारियों ने प्रायोरिटी कॉरिडोर के तहत इंदौर एवं भोपाल में प्रगति के बारे में अवगत करवाया एवं आश्वस्त किया कि सिविल सिस्टम के सभी कार्य द्रुत गति से निरंतर जारी हैं एवं तय समय में पूर्ण कर लिए जाएंगे।

10 दिन बाद फिर बैठक

एमडी ने अवगत करवाया कि सितंबर में होने वाले ट्रायल रन की समय सीमा बदली नहीं जाएगी, इससे पहले सभी कार्य पूर्ण हो जाने चाहिए। 10 दिन बाद वे फिर समीक्षा बैठक एवं निरीक्षण कर प्रगति पर अपडेट लेंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
32	दैनिक जागरण	भोपाल	11.07.2023	12	मेट्रो प्रोजेक्ट मे पटरी बिछाने के काम मे देरी को लेकर प्रबं अफसरों को लगी फटकार	Neutral

दैनिक जागरण
भोपाल, 11 जुलाई, 2023 विविध www.djmp.in/epaper

बैठक 20 अगस्त तक मेट्रो पटरी बिछाने का पूरा होगा काम

मेट्रो प्रोजेक्ट में पटरी बिछाने के काम में देरी को लेकर प्रबंध संचालक ने अफसरों को लगाई फटकार

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। राजधानी में आगामी सितंबर में मेट्रो को पटरी पर दौड़ाया जाएगा। लिहाजा मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर सोमवार को समीक्षा बैठक की गई। इस दौरान तय किया कि मेट्रो का पहला सेट 31 अगस्त को भोपाल पहुंचेगा। साथ ही 20 अगस्त तक मेट्रो के एलिवेटेड रूट पर पटरी बिछाने का काम पूरा किया गया। उधर, इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट में पटरी बिछाने के काम में देरी को लेकर भी मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने जनरल कंसलटेंट समेत अन्य अफसरों की क्लास भी ली।

अफसरों ने बताया कि भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर 1715 टन पटरी प्राप्त हो चुकी हैं। साथ ही वायाडक्ट तक करीब 2 किलोमीटर रूट पर पटरी बिछाई जा चुकी हैं। डिपो के अंदर भी पटरी बिछाने का काम लगभग पूरा होने की कगार पर है। इसके अलावा मेट्रो एलिवेटेड रूट का सिविल वर्क भी अब अपने अंतिम दौर पर है। यहां काम भी 95 फीसदी पूरा हो चुका है। इसके अलावा उन्होंने मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर जारी हुए टेंडरों को लेकर भी अफसरों से बातचीत की। प्रबंध संचालक सिंह ने कहा कि अब मेट्रो की हर 10 दिन में समीक्षा बैठक भी की जाएगी।

भोपाल मेट्रो की यह है प्रोग्रेस रिपोर्ट

मेट्रो का निर्माण

भोपाल और इंदौर मेट्रो का निर्माण कार्य गुजरात और चेन्नई में किया जा रहा है। फ्रांस की एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी यह काम कर रही है। यह काम 75 फीसदी पूरा हो चुका है। 3 हजार 200 करोड़ रुपये लागत से कंपनी मेट्रो कंट्रोल रूम से लेकर सिग्नल और अन्य टेक्निकल वर्क करेगी। भोपाल मेट्रो के कुल 25 सेट का निर्माण जारी है। एक सेट में कुल 03 तीन डिब्बे होंगे। तीनों डिब्बों में अधिकतम 900 यात्री सफर कर सकेंगे।

डिपो प्रायटी सेक्शन

मेट्रो का महत्वपूर्ण भाग डिपो प्रायटी सेक्शन का काम भी 65 फीसदी पूरा हो चुका है। इसका निर्माण भी दो भागों में किया जा रहा है। प्रायटी सेक्शन के तहत मेट्रो के ट्रायल से संबंधित तमाम कवायद जारी हैं। सुभाष नगर आरओबी के पास डिपो का काम 26 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 333.9 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। यहां कुल 81 मेट्रो के डिब्बों को रखने की जगह होगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
33	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	11.07.2023	03	मेट्रो का ट्रायल रन सितं इंदौर मे 3 किमी बिछ पाई पटरी	Neutral

एमडी ने बारिश में भी काम चालू रखने के दिए निर्देश, इंदौर में दिन के समय काम बंद होने पर जताई नाराजगी

मेट्रो का ट्रायल रन सितंबर में, भोपाल में दो और इंदौर में 3 किमी बिछ पाई पटरी

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

इंदौर-भोपाल में सितंबर महीने में मेट्रो का ट्रायल रन होना है, लेकिन अभी तक इंदौर में जहां 3 किमी, वहीं भोपाल में 2 किमी पटरी बिछ पाई है। इसे लेकर सोमवार को प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने नाराजगी जताई। उन्होंने साफ कर दिया कि सितम्बर में ही मेट्रो का ट्रायल रन होना है। अब समय अपरिवर्तनीय है। इससे पहले सभी काम हो जाने चाहिए। ऐसे में बारिश में भी पटरी बिछाने का काम जारी रखें। 20 अगस्त तक प्रॉयारिटी कॉरिडोर यानी रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच पटरी बिछा ली जाए। एमडी सिंह ने यह निर्देश भोपाल और इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर हुई बैठक में दिए। सिंह ने इंदौर मेट्रो में वायाडक्ट पर प्लिन्थ बीम के कार्य को दिन में अनावश्यक बंद रखने पर जनरल कन्सल्टेंट के परियोजना निदेशक साइमन फोरी तथा उप परियोजना निदेशक इंदौर परशुराम व महाप्रबंधक इंदौर मेट्रो रेल के पर नाराजगी जताई। प्रबंध संचालक ने फोन पर ही इंदौर मेट्रो और जनरल कन्सल्टेंट के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये। उन्हें चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिंह ने एलएंडटी भोपाल एवं आईएससी टेक्समाको इंदौर ट्रैक कान्ट्रेक्टर को फोन पर निर्देश दिए कि बारिश में कार्य रुकने नहीं चाहिए। उसके लिए कवरशेड-टीनशेड का अस्थाई इंतजाम करें जिससे पटरी वेल्डिंग का कार्य बाधित न हो।

पटरी की स्थिति

- भोपाल में अब तक करीब 1715 मीट्रिक टन पटरी प्राप्त हो चुकी है। वही वायाडक्ट पर अब तक लगभग 2 किमी पटरी बिछाई जा चुकी है।
- इंदौर में अब तक करीब 2015 मीट्रिक टन पटरी प्राप्त हो चुकी है। वही लगभग 3 किमी वायाडक्ट एवं एक किमी डिपो में पटरी बिछाई जा चुकी है।

20 तक पटरी का कार्य पूरा करें

सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पटरी के कार्य में तेजी लाने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ानी होगी, जिस पर एल एंड टी भोपाल और आईएससी-टेक्समेको इंदौर ट्रेक कान्टेक्टर को मौके पर निर्देश दिये कि एक-दो दिनों के अंदर श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर 20 अगस्त तक पटरी का कार्य पूर्ण करने के लिए कहा।

10 दिन बाद फिर करेंगे समीक्षा

बैठक में प्रायोरिटी कॉरिडर के तहत इंदौर एवं भोपाल में स्टेशन से संबंधित प्रगति के बारे में अवगत करवाया गया। साथ ही भरोसा दिलाया गया कि सिविल एवं सिस्टम के सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाएंगे। प्रबंध संचालक ने कहा कि दस दिन बाद फिर वह समीक्षा करेंगे। साथ ही कार्यो का निरीक्षण भी। इस दौरान अजय शर्मा निदेशक प्रोजेक्ट, नीति कोठारी निदेशक वित्त, शोभित टंडन निदेशक सिस्टम, संजय सिंह महाप्रबंधक सिविल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
34	पीपल्स समाचार	भोपाल	11.07.2023	03	मेट्रो निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर सोमवार को हुई बड़ी समीक्षा बैठक	Neutral

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रादेशिक खेल व्यापार

भोपाल सिटी Page: 2 July 11, 2023

मेट्रो रेल की पटरियां बिछाने का टारगेट 20 अगस्त तक

सात सितंबर तक ट्रायल रन की तैयारी

पीपुल्स ब्यूरो • भोपाल
मो.नं. 9827334317

भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल पटरी बिछाने की अंतिम तिथि 20 अगस्त तय की गई है। इसके बाद इंजन, कोच और मेट्रो ट्रायल रन का काम सितंबर के पहले सप्ताह तक पूरा किया जाएगा। इस संबंध में मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने सोमवार को मेट्रो परियोजना की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने इंदौर के परियोजना अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने इंदौर मेट्रो में वायाडक्ट पर प्लिन्थ बीम के कार्य को दिन में बंद रखने को लेकर जनरल कंसल्टेंट के परियोजना निदेशक साइमन फोरी तथा उप-परियोजना निदेशक इंदौर जनरल कंसल्टेट परशुराम और इंदौर मेट्रो रेल के महाप्रबंधक को फटकार भी लगाई। भोपाल में एलएंडटी एवं इंदौर में आईएससी टैक्समाको कान्ट्रेक्टर को दूरभाष से निर्देश दिए की बारिश में काम रुकने नहीं चाहिए।

इंदौर और भोपाल में यह है प्रोग्रेस स्टेटस

- इंदौर में अब तक 3 और भोपाल में 2 किलोमीटर पटरी बिछा दी गई है।
- भोपाल में 8 और इंदौर में 12 किमी का ट्रैक बनाया जा रहा है।
- भोपाल में अब तक 1,715 और इंदौर में लगभग 2,105 मीट्रिक टन पटरी प्राप्त हो चुकी है। डिपो में एक-एक किमी पटरी बिछाई जा चुकी।
- ट्रायल रन के लिए भोपाल में 27 और इंदौर में 25 सेट रेल की व्यवस्था की जाएगी।
- प्रदेश में 31 अगस्त से पहले दोनों शहरों के 1-1 सेट मेट्रो रेल आ जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
35	स्वदेश	भोपाल	11.07.2023	03	देरी पर नाराज हुए प्रबं पटरियाँ बिछाने का लक्ष्य	Neutral

स्वदेश

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट

बारिश में शेड लगाकर पटरियां बिछाने के निर्देश, देरी पर जनरल कंसलटेंट को डपटा

देरी पर नाराज हुए प्रबंधसंचालक, 20 अगस्त तक पटरियां बिछाने का लक्ष्य

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक में सोमवार को प्रबंधसंचालक मनीषसिंह ने प्रोजेक्ट जनरल कंसलटेंट कंपनी के अफसरों समेत प्रोजेक्ट से जुड़े अफसरों को जमकर क्लास ली। उन्होंने भोपाल में पटरियां बिछाने के लिए 20 अगस्त तक की समय सीमा तय की। बारिश में काम प्रभावित न हो इसके लिए अस्थाई शेड लगाकर वेल्डिंग का काम करने का कहा। बैठक से ही जनरल कंसलटेंटी के अफसरों को सिंह ने फोन लगाकर काम में देरी पर डांट लगाई। सिंह ने तय सीमा में काम

पूरा करने 24 घंटे काम चलाए रखने के साथ मजदूरी की संख्या बढ़ाने व बारिश के दौरान अस्थाई शेड बनाकर काम जारी रखने का कहा गया। सितंबर में ट्रेन का ट्रायल हर हाल में करना है, इसलिए समय सीमा में काम पूरा करना होगा। गौरतलब है कि भोपाल में अब तक 1715 मीट्रिक टन पटरियां पहुंच चुकी है। इससे दो किमी की लंबाई में इन्हें बिछा दिया गया है। हालांकि इंदौर से ये कम है। इंदौर में 3 किमी पटरियां वायाडक्ट जबकि एक किमी लंबाई की पटरियां डिपो में बिछा दी है। भोपाल में अभी डिपो पर काम शुरू करना बाकी है। एमडी सिंह ने बैठक के दौरान जनरल कंसलटेंट के अफसरों को कॉल करके काम को लेकर पूछताछ की। इंदौर में वायाडक्ट पर प्लिंथ काम में देरी ओर भोपाल में बारिश के दौरान पटरियां बिछाना बंद किए जाने पर जमकर फटकार लगाई। स्पष्ट कहा कि ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी।

दस दिन बाद फिर होगी समीक्षा

प्रबंध संचालक ने कहा की 10 दिन बाद वह फिर समीक्षा बैठक एवं निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति पर अपडेट लेंगे। प्रबंधक संचालक के निरीक्षण कार्यक्रम मे अजय शर्मा, निदेशक (प्रोजेक्ट), नीति कोठारी, निदेशक (वित्त), शोभित टंडन, निदेशक (सिस्टम), संजय सिंह, महाप्रबंधक सिविल, वाई सी शर्मा महाप्रबंधक सिविल, अजय गुप्ता, महाप्रबंधक ट्रैक, मनीष गगारेकर, महाप्रबंधक (रोलिंग स्टॉक), एन.डी. शवयावार, महाप्रबंधक (ई&एम), कॉरपोरेशन के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, जनरल कंसलटेंट के वरीय अधिकारी मौजूद रहे। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को निर्माण कार्य तेजी से पूरे करने के लिए हर संभव प्रयास करने को कहा है।

भोपाल में ये स्थिति

भोपाल में रानी कमलापति से सुभाष ब्रिज तक करीब साढ़े तीन किमी लंबाई वाला प्रायोरिटी कॉरीडोर बनाया गया है। सितंबर में इसपर ही ट्रायल शुरू करेंगे। इसमें पांच स्टेशन है जिनका बाहरी काम लगभग पूरा हो चुका है। इंटीरियर का भी काफी काम हो चुका है। सिग्निलिंग सिस्टम से जुड़े काम भी शुरू कर दिए गए है। अगस्त आखिर तक गुजरात वड़ोदरा के सारणी प्लांट से मेट्रो रैक की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। मेट्रो ट्रेन का 22 मीटर लंबा मॉडल कोच मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन की ओर से स्मार्टपार्क में खड़ा कर दिया गया है। इसे चैन्नई में तैयार कराया गया। बीते सप्ताह ही ट्राले से इसे भोपाल पहुंचाया था। स्मार्टपार्क में इसके लिए ट्रेकनुम स्टैंड बनाया गया है। जल्द ही इसका लोकार्पण होगा, जिसके बाद आमजन इसे देख सकेंगे।

Page No. 3 Jul 11, 2023
Bhopal Main-Edition
Powered by: erelego.com

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
36	Free Press	Bhopal	11.07.2023	03	Officials pulled up for closing work during day time	Neutral

BHOPAL CITY

Pg-03

INDORE / BHOPAL | TUESDAY | JULY 11, 2023 www.freepressjournal.in

INDORE METRO PROJECT

Officials pulled up for closing work during day time

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Managing Director Manish Singh expressed displeasure at the work of plinth beam on viaduct of Indore Metro project, which is closed during the day time. He expressed displeasure during the review meeting of Bhopal and Indore Metro projects on Monday.

Singh pulled up Project Director of General Consultant Simon Fourie and Deputy Project Director, Indore General Consultant, Parshuram over the issue. Parshuram had joined the meeting virtually.

Singh warned Indore Metro officials that no negligence would be tolerated in future. At the same time, he directed L&T (Bhopal) and ISC/Taxaco (Indore) track contractor that work should not be stopped during rainy season. The cover sheds and tin sheds should be used so that wielding works do not get hampered. He also took information about the track laying work. It was informed that 1,715 metric ton track has been received in Bhopal and two-kilometer track has been laid down. In Indore, 2,105 metric ton railway track has been received.

At the meeting, he also instructed to accelerate the speed of work to lay down the railway track. He ordered L&T (Bhopal) and ISC/Texmaco (Indore) track contractors to increase the number of labourers within two days and to complete the track laying work by August 20. He underlined that all the works of Metro should be completed on time as trial run will be held in September. Officers informed him about the progress of works and assured of tyimely completion. After meeting, he left for Indore to inspect Metro project works there.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
37	Hitwad	Bhopal	11.07.2023	03	MD holds meet for Metro officials, orders to meet trail run deadline	Neutral

TheHitavada
Bhopal City Line | 2023-07-11 | Page- 4
ehitavada.com

MD holds meet of Metro officials, orders to meet trial run deadline

Managing Director Manish Singh and other Metro officials during the meeting on Monday.

■ **Staff Reporter**

METRO officials held a meeting on Monday in context of trial run to be held in September, this year. Managing Director (MD) MP Metro Manish Singh expressed displeasure over delay in some project before project director Simen Fori and deputy project director Indore general consultant Parshuram.

He ordered the officials to ensure the work is not halted for any reason including rain. The officials must make arrangements regarding that.

Track wielding and other projects should be running on time, he said.

Bhopal and Indore will witness trial run of metro trains in September.

MD Singh instructed L and T and ISC/ Texmaco to make temporary arrangements like cover shed or tin shed in rains.

The officials also increase the number or workers to ensure the work on tracks be completed on time.

He said that the trial run has to be done on time and he will again take a meeting for that after ten days.

The officials informed MD about the progress so far.

They said the track up to 2 kilometers has been laid on viaduct in Bhopal.

Similarly, in Indore the track has been laid for 1 kilometers.

Powered by iDocuments

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
38	अमर उजाला	भोपाल	11.07.2023	04	भोपाल मे दो किमी, इं पटरी, कवरशेड बना कर वेल्डिंग के निर्देश	Neutral

भोपाल में दो किमी, इंदौर में तीन किमी बिछी पटरी, कवरशेड बना कर वेल्डिंग के निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

एमपीएमआरसी के एमडी ने की काम की समीक्षा, सितंबर में ट्रायल रन प्रस्तावित

भोपाल। राजधानी भोपाल और इंदौर में मेट्रो का सितंबर माह में प्रॉयारिटी कॉरिडोर में ट्रायल रन प्रस्तावित है। इसको लेकर मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने सोमवार को दोनों जगह के प्रोजेक्ट के काम की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि भोपाल में दो किमी और इंदौर में तीन किमी पटरी बिछाई जा चुकी है। एमडी ने भोपाल में पटरी बिछाने का काम कर रही एलएंडटी और इंदौर में आईएससी ट्रैक कांट्रैक्टर को फोन पर निर्देश दिए कि बारिश में काम नहीं रुकना चाहिए। इसके लिए कवर शेड या टीनशेड का अस्थायी इंतजाम करके पटरी वेल्डिंग का काम निर्बाध रूप से करने का निर्देश दिया। मनीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पटरी के कार्य में तेजी लाने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाएं। उन्होंने ट्रैक कांट्रैक्टर को दो दिनों में श्रमिकों की संख्या बढ़ाने और 20 अगस्त तक पटरी का काम पूरा करने को कहा। अधिकारियों ने एमडी को तय समयसीमा में काम पूरा करने को लेकर आश्वस्त किया। एमडी ने कहा कि सितंबर माह में ट्रायल रन प्रस्तावित है। इसका समय आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए समय सीमा में सभी काम पूरे करें। उन्होंने 10 दिन बाद दोबारा निरीक्षण और काम की समीक्षा करने की बात भी कही।

काम बंद रखने पर जताई नाराजगी

मनीष सिंह ने इंदौर मेट्रो में वायाडक्ट पर प्लिन्थ बीम के कार्य को दो दिन अनावश्यक बंद रखने पर जनरल कंसल्टेंट के परियोजना निदेशक साइमन फोरी तथा उप परियोजना निदेशक इंदौर जनरल कंसल्टेंट परशुराम व महाप्रबंधक इंदौर मेट्रो रेल के प्रति नाराजगी जताई। उन्होंने फोन पर इंदौर मेट्रो एवं जनरल कंसल्टेंट के अफसरों को सचेत किया कि भविष्य में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

SNo.39

MPMETRO

METRO NEWS

11th JULY ,2023

DIGITAL PLATFORM

अमर उजाला

https://www.amarujala.com/madhya-pradesh/bhopal/mp-news-two-in-bhopal-three-km-of-tracks-laid-in-indore-instructions-for-welding-tracks-by-making-temporary-2023-07-10

MP News: भोपाल में दो किमी, इंदौर में तीन किमी बिछी पटरी, बारिश में अस्थाई टीनशेड बना कर वेल्डिंग के निर्देश

दैनिक भास्कर

भोपाल में 2Km, इंदौर में 3Km बिछी मेट्रो पटरी: सितंबर में ट्रायल रन को लेकर बड़ी मीटिंग; इंदौर में दिन में काम बंद होने पर MD नाराज

https://dainik-b.in/Dsf6uPHUjBb

MPMETRO

METRO NEWS

12th JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
40	Times of India	Bhopal	12.07.2023	5	Metro work on fast track as deadline for trial run nears	Neutral

Metro work on fast track as deadline for trial run nears

Rain Likely To Derail Sept Launch Of 4-Km Long Corridor

Times News Network

Bhopal: 56 days are to go before the proposed trial run of Bhopal Metro in the 4-km long priority corridor. Coaches are set to arrive in August and main concern remains the construction work at metro depot at Subhash Nagar.

A review meeting was held on Monday regarding the progress of construction works in view of the target of Metro trial run of the priority corridor.

Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) MD Manish Singh instructed track contractors of Bhopal and Indore to continue with the work despite monsoon season. "Work should not stop due to rain," said Singh referring to track welding work. "Deadline for the trial run to be held in September this year is irreversible, before that all the works should be completed," he added.

In Bhopal, about 2 km of rail has been laid on the viaduct so far, while it is a 3 km long viaduct and 1 km depot track in Indore.

Contractors have been instructed to double the number of labourers within two days. Completion deadline for the same is August 20, according to MPMRCL.

Metro officials spoke about progress related to Indore and Bhopal stations under priority corridor and assured that all civil and system works are going on at a fast pace and will be completed in time.

Another review meeting is scheduled in 10 days.

Pic: A Moeed Faruqui.

METRO IN THE MAKING: WORK PROGRESS

- Design of proposed Habibganj Naka Rail Overbridge has been approved by West Central Railway
- Finishing work is in progress at Subhash Nagar station
- Station entry/exit, pile and raft foundation work has been completed at Subhash Nagar, Kendriya Vidyalaya, Board Office Chauraha, MP Nagar and Rani Kamalapati stations. Wall casting work is in progress in the remaining four stations. Package completion as on May-2023 is at **47.46%**
- Admin building superstructure is complete, block work in progress. Progress achieved in the package as on May 31, 2023 is **14.92%**

6.225 KM VIADUCT OF PRIORITY CORRIDOR IS 92.02%

System Package - Rolling Stock (RS) and Signalling & Telecom (S&T) Works:

- Combined system package for Bhopal and Indore for Rs 3,247 crore. Preliminary and final work programme for RS and S&T respectively have been approved. RS design was approved in Nov-22 and train since Mar-23 at Savli, Gujarat factory
- Manufacturing of first car bogie and car body parts is in progress, later second car will start in Jun-23
- 4 out of 11 hold point inspections (one car) have been conducted for the prototype. Mock-up installation location at "Parking Area of Smart Park, Shyamala Hills, Bhopal" soon

Pic: Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited

ORANGE LINE IN GREEN

- **Priority corridor Line-2** (Orange Line): Metro Depot – AIIMS
- **DM Car** (1st and 3rd Coach of the Metro)

● Train Operator seat ● Passenger seats ● Grab Handles ● Draught Screen ● Functional Doors ● Windows ● Cameras ● 1 DRM and 1 IIFD ● Floor Cover ● Headlights ● Marker Lights ● Door Exterior Lights ● Door Interior Lights ● Interior Lighting ● Flasher Lights ● UTO light

MPMETRO

METRO NEWS

13th JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
41	पत्रिका	भोपाल	13.07.2023	6	मेट्रो के लिए पावर ट्रां	Neutral

पत्रिका

फोटो स्टोरी मेट्रो के लिए पॉवर ट्रांसफार्मर पहुंचा भोपाल

भोपाल. सुभाष डिपो के पास मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन अपना रीसिविंग सब स्टेशन तैयार कर रहा है। इसके लिए पॉवर ट्रांसफार्मर बुधवार को भोपाल पहुंचा। इससे 132 केवीए करंट 32 केवीए में बदलकर इन्हें डिपो व मेट्रो स्टेशन भेजा जाएगा। मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन अपनी सात केबल को बिछाने में करीब 40 करोड़ रुपए का खर्च कर रहा है। स्मार्टसिटी भी करीब 20 करोड़ रुपए का खर्च कर रहा है।

Date: 13/07/2023, Edition: Bhopal, Page: 6
Source : https://epaper.patrika.com/

MPMETRO

METRO NEWS

14 JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
42	Patrika	Bhopal	14.07.2023	04	मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन और स्मार्ट सिटी डेवलपमें कॉर्पोरेशन करेगा काम	positive

माय सिटी MY CITY 08 पत्रिका

भोपाल, शुक्रवार, 14 जुलाई 2023

मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन और स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन करेगा काम

राजधानी में पहली बार 132 केवीए क्षमता की केबल अंडरग्राउंड, 60 करोड़ लागत

भोपाल@पत्रिका. शहर में पहली बार 132 केवीए क्षमता की केबल अंडरग्राउंड की जा रही है। इस पर करीब 60 करोड़ की लागत आएगी। गोविंदपुरा से पॉवर जेनरेशन प्लांट से 132 केवीए की केबल सुभाष ब्रिज डिपो तक बनाए जा रहे 132/33 केवीए के रिसीविंग सब स्टेशन तक पहुंचाई गई हैं। डिपो के पास ही स्मार्ट सिटी का रिसीविंग स्टेशन बनाया जा रहा है। गोविंदपुरा बिजली पॉवर स्टेशन से मेट्रो ट्रेन और स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन एक ही डक्ट में अंडरग्राउंड केबल बिछा रही है।

दोनों एजेंसियां साथ काम कर रही हैं

दोनों ही एजेंसियों को अपने लिए बिजली लाइन बिछाना थी। दोनों ने ही आपस में चर्चा करके एक साथ काम तय किया और एक ही डक्ट से इसे आगे बढ़ाया जा रहा। लाइन के लिए गोविंदपुरा से अस्सी फीट रोड प्रभात चौराहा और आगे की ओर डक्ट की खुदाई की जा रही है। मोटी और भारी केबल इस डक्ट में डाली जा रही है। मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन अपनी सात केबल को बिछाने में करीब 40 करोड़ रुपए का खर्च कर रहा है। स्मार्ट सिटी भी करीब 20 करोड़ रुपए का खर्च कर रहा है।

MPMETRO

METRO NEWS

17 JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
43	हरि भूमि	भोपाल	17.07.2023	3	पहले चरण मे तीन-तीन डिब्बों वाली मेट्रो रेल अगले माह भोपाल पहुंचेगी	Neutral

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, सोमवार 17 जुलाई 2023

ट्रायल रन के बाद 6-6 डिब्बों वाली मेट्रो रेल चलेगी

स्मार्ट सिटी पार्क में रखे मेट्रो मॉक अप में अंदर से ले सकते हैं मेट्रो का अनुभव

पहले चरण में तीन-तीन डिब्बों वाली मेट्रो रेल अगले माह भोपाल पहुंचेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो रेल का ट्रायल रन सितंबर माह के पहले हफ्ते में होना है, लेकिन इसके लिए पहले तीन-तीन डिब्बों वाली मेट्रो रेल अगले माह भोपाल पहुंच रही है। इसे ट्रायल रन के अलावा तीन माह बाद आम पब्लिक के लिए शुरू किया जाएगा। प्रारंभिक दिनों में कंपनी आम जनता के लिए इसे कुछ दिन फ्री रखेगी। इसके बाद प्रायोरिटी कोरीडोर पर मेट्रो का संचालन शुरू होने के बाद 6-6 डिब्बों वाली मेट्रो रेल शुरू की जाएगी। मेट्रो कंपनी के अधिकारियों के अनुसार

मेट्रो की आदत डालने और उसके बारे में पूरी जानकारी देने के लिए ही स्मार्ट सिटी पार्क में मेट्रो रेल का मॉक अप रखा गया है, जिसके अंदर जाकर लोग मेट्रो का अनुभव ले सकते हैं। साथ ही यह मॉक अप मेट्रो की सभी सुविधा वाला डिब्बा होगा, जिसमें लोग बैठ कर मेट्रो का अनुभव ले सकेंगे। इसमें एलईडी, अनाउसमेंट, सीसीटीवी, सिटिंग अरेंजमेंट, इमरजेंसी अलार्म समेत सभी सुविधाएं होंगी। मॉक अप का उद्देश्य लोगों को मेट्रो के प्रति जागरूक करना है। इसे देखकर लोग मेट्रो की सुविधाओं को समझ और जान सकेंगे। मॉक अप स्मार्ट सिटी पार्क में रखने के साथ ही प्लेटफॉर्म बन गया। अब वहां लाइटिंग और अन्य व्यवस्था की जा रही है। इसकी ओपनिंग कौन करेगा को लेकर अभी निर्णय होना है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
44	दैनिक जागरण	भोपाल	17.07.2023	09	मेट्रो निर्माण कंपनी खरीद रही रोज एक लाख लीटर ट्रीटेड पानी	Neutral

प्रयोग इंदौर नगर निगम ने कचरे के बाद अब ट्रीटेड पानी से बढ़ाई अपनी आमदनी

मेट्रो निर्माण कर रही कंपनी खरीद रही रोज एक लाख लीटर

इंदौर। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि रिड्यूज, रिसायल और रियूज पद्धति को निगम ने अपनाया है। इंदौर मध्य प्रदेश का पहला शहर है जो ट्रीटेड वॉटर बेच रहा है। शहरवासी 311 एप पर कॉल कर उपचारित पानी को मंगा कर भवन निर्माण में इसका उपयोग कर सकते है। घरों में बाथरुम और किचन से निकलने वाला गंदा पानी भी कमाई का जरिया बन सकता है। अभी तक इंदौर के लिए यह दूषित पानी समस्या बनता था, लेकिन नगर निगम इस पानी को रिसायकल कर बेचने लगा है, हालांकि अभी कमाई आंकड़ों के हिसाब से कम है, लेकिन ट्रीटेड वॉटर की बिक्री ने निगम की कमाई के नए रास्ते खोले है। शहर मे मेट्रो प्रोजेक्ट का निर्माण कर रही दोनो कंपनियां हर दिन एक लाख लीटर पानी नगर निगम से खरीद रही है। निगम कंपनियों को 1.40 रुपये प्रति हजार लीटर के हिसाब से पानी बेच रहा है। दोनो कंपनी अपने टैंकरों से ट्रीटमेंट प्लांट से पानी साइट तक लाती है। आने वाले दिनों में निगम शहर के बड़े निजी प्रोजेक्टों को ट्रीटेड वाटर उपलब्ध कराएगा। तब इसकी कीमत में थोड़ी वृद्धि हो सकती है,क्योंकि निगम टैंकरों से पानी खरीदने वालों तक पहुंचाएगा। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि रिड्यूज, रिसायल और रियूज पद्धति को नगर निगम ने अपनाया है। बहुत कम शहर उपचारित पानी को बेच रहे है। उनमें से इंदौर नगर निगम भी एक है। शहरवासी 311 एप पर कॉल कर उपचारित पानी को मंगा कर भवन निर्माण व अन्य कामों में इसका उपयोग कर सकते है।

डेढ़ सौ से ज्यादा उद्यान हरे भरे

कबीटखेड़ी में 160 एमएलडी क्षमता का ट्रीटमेंट प्लांट है। 20 साल पहले 55 एमएलडी क्षमता की प्लांट भी बनाया गया था। छोटे-छोटे ट्रीटमेंट प्लांट भी शहर में बनाए गए है। नाले का पानी प्लांट तक लिफ्ट कर नई तकनीक से पानी को शुद्ध किया जाता है और उसे फिर कान्ह नदी में छोड़ा जाता है, ताकि शिप्रा नदी प्रदूषण से मुक्त हो जाए। उपचारित किए गए पानी को नगर निगम खुद के डेढ़ सौ से ज्यादा उद्यानों में भेजता है। इसके अलावा मेघदूत उपवन तक ट्रीटेड वॉटर की एक लाइन भी बिछाई गई है। वहां एक टंकी भी ट्रीटेड वाटर से भरी जाती है। उस पानी का उपयोग मेघदूत उपवन को हरा भरा रखने के लिए किया जा रहा है।

हर दिन 300 एमएलडी पानी का ट्रीटमेंट

जलकार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू ने बताया कि शहर में हर दिन 300 एमएलडी पानी का ट्रीटमेंट किया जा रहा है। अभी प्रतिदिन एक लाख लीटर पानी बिक रहा है। इससे निगम को हर माह 5 हजार रुपये की आय हो रही है, लेकिन धीरे-धीरे अन्य संस्थानों को भी हम ट्रीटेड वॉटर देंगे, ताकि निर्माण कार्यों में उनका उपयोग हो सके।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
45	Free Press	Bhopal	18.07.2023	3	आरा मशीन शिफ्टिंग मे नया पें जगह 35 एकड़ जमीन मिली; मेट्रो के अगले चरण मे 6 महीने की देरी तय	Neutral

Pg-03
BHOPAL CITY
INDORE / BHOPAL | TUESDAY | JULY 18, 2023 www.freepressjournal.in

Bhopal Metro to have obstacle & derailment detection system

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Bhopal Metro will have several modern security features including the obstacle and derailment detection system. Through it, intrusion of foreign objects on the track will be monitored in real time.

Bhopal's metro's inbuilt cyber security systems will ensure every ride is secured and on the right track.

Meanwhile, Metro officials are working expeditiously to complete remaining work of the project. Some works have been completed. For instance, 100 % girder erection work of all five stations from Subhash Nagar to RKMP has been completed.

At present, emphasis is on laying down the railway track and accelerating the works under various heads such as electrification, interior works of railway station etc.

As the date of metro trial is approaching, Madhya Pradesh Metro Corporations officials face an uphill task to get everything on right track. It is on daily basis that progress of Bhopal metro is sent by Metro officials to state government. Bhopal Metro will have two lines. First is Purple Line and second is Red Line. Madhya Pradesh Metro Rail Corporation will start 4-km long corridor in September.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
46	नव दुनिया	भोपाल	19.07.2023	02	सितं हबीबगंज से डीआरएम ऑफिस-एम्स मार्ग एक माह तक रहेगा बंद	Neutral

जनवरी 2024 में ट्रैक की संरक्षा परखेंगे मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त, फिर होगा संचालन

सितंबर से तीन माह चलेगा मेट्रो का ट्रायल

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। राजधानी में सितंबर 2023 से मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन होना प्रस्तावित है, जो आगामी तीन महीने तक लगातार चलेगा। इसके बाद जनवरी 2024 में मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त इस मार्ग की संरक्षा को परखेंगे। उनके संतुष्ट होने के बाद प्रायोरिटी कारिडोर पर मेट्रो के संचालन की अनुमति दी जाएगी। मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2024 में मेट्रो ट्रेन प्रायोरिटी कारिडोर पर दौड़ सकती है।

बता दें कि वर्तमान में मेट्रो कार्पोरेशन का पूरा ध्यान ट्रायल रन पर है। इसको लेकर रानी कमलापति से सुभाष नगर के बीच बनने वाले सभी स्टेशनों का कंस्ट्रक्शन वर्क पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में इस रूट पर सिविल वर्क 90 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। फिलहाल स्टेशन के अंदर लिफ्ट लगाने और बिजली से संबंधित कामों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार अंदर से सिविल वर्क पूरा हो चुका है। केवल बारीक कामों को पूरा किया जा रहा है। अगस्त के अंत तक इस रूट के सभी स्टेशनों का सिविल वर्क और रूट का सिविल वर्क और पटरी बिछाने का काम भी पूरा कर लिया जाएगा।

जुलाई के आखिरी सप्ताह में माकअप का होगा अनावरण स्मार्ट पार्क पर खड़े मेट्रो माक अप (मेट्रो की बोगी) का निरीक्षण इस माह से आम लोग कर सकेंगे। बता दें कि सीएम शिवराज सिंह चौहान माक अप का अनावरण कर सकते हैं। फिलहाल डिब्बे को आम लोगों के अवलोकन के लिए एक जगह पर व्यवस्थित करने का काम पूरा कर लिया गया है। इस दौरान डिब्बे के अंदर इलेक्ट्रिक वर्क भी पूरा कर लिया है, जिससे आम लोग डिब्बे में पहुंचकर टीवी, अलार्म, इलेक्ट्रिक कनेक्शन सहित अन्य चीजों का अवलोकन कर सकेंगे। डिब्बे में 50 लोगों के बैठने और 250 लोगों के खड़े होने का इंतजाम किया गया है।

रानी कमलापति से सुभाष नगर के बीच बनने वाले सभी स्टेशनों का कंस्ट्रक्शन वर्क पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है, जो अभी 90 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। ● नवदुनिया फाइल फोटो

मार्ग परिवर्तित करने का प्लान जारी : मेट्रो परियोजना के निर्माण कार्य के अंतर्गत अलकापुरी के पास मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। अलकापुरी के मुख्य गेट के सामने रोड बंद कर यातायात डायवर्सन किया है। ट्रैफिक पुलिस ने 20 जुलाई से 20 अगस्त तक इस क्षेत्र के मार्ग परिवर्तित करने का प्लान जारी किया है।

भोपाल और इंदौर में मेट्रो कारिडोर का काम तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री की मंशानुसार प्रायरिटी कारिडोर में सितंबर से ट्रायल रन करना है। इसको लेकर तैयारियां पूरी की जा रही है।

– मनीष सिंह, एमडी मप्र मेट्रो

हबीबगंज से डीआरएम आफिस-एम्स मार्ग एक माह तक रहेगा बंद

अलकापुरी के सामने का मार्ग चार पहिया वाहनों के आवागमन के लिए पूर्णतः बंद रहेगा। एम्स की तरफ से आने वाले वाहन अलकापुरी के बायीं तरफ से हबीबगंज नाका होते हुए नर्मदापुरम रोड होते हुये एवं आइएसबीटी की ओर जा सकेंगे। साकेत नगर एवं एम्स की ओर आने-जाने वाले वाहन दायीं तरफ की सर्विस रोड का उपयोग कर आवागमन कर सकेंगे। बाग सेवनिया से अलकापुरी जाने वाले वाहन बाग सेवनिया से रेलवे कालोनी, सागर पब्लिक स्कूल होकर अलकापुरी की ओर आवागमन कर सकेंगे। अलकापुरी से बाग सेवनिया जाने वाले वाहन एम्स के सामने वाले एकांगी मार्ग से जा सकेंगे। केवल हल्के वाहन/ दोपहिया/चार पहिया- हबीबगंज से अलकापुरी, एम्स की ओर जाने वाले वाला मार्ग का केवल जाने के लिये ही उपयोग किया जा सकेगा। एम्स से हबीबगंज जाने वाले वाहन भोपाल स्कूल आफ सोशल साइंस के सामने आइसीआइसीआइ के बाजू से अन्नानगर से आइएसबीटी होते हुये हबीबगंज जा सकेंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
47	दैनिक जागरण	भोपाल	19.07.2023	03	सितं सुभाष नगर के बीच दोड़ेगई भोपाल मेट्रो	Neutral

दैनिक जागरण
भोपाल, 19 जुलाई 2023

राजधानी जागरण 03

11 • राज्य • 31 • संस्करण

मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

मेट्रो ट्रॉयल **2024 में कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी करेंगे ऑडिट, उसके बाद मिलेगी अनुमति**

सितंबर से तीन महीने तक रानी कमलापति से सुभाष नगर के बीच दौड़ेगी भोपाल मेट्रो

शहर संवाददाता, भोपाल। शहर में सबसे पहले मेट्रो रानी कमलापति से सुभाष नगर स्टेशन के बीच दौड़ेगी। दरअसल एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने सितंबर माह में मेट्रो के ट्रायल की तैयारी पूरी कर ली है। इसी के तहत सबसे पहले रानी कमलापति से सुभाष नगर के बीच के ट्रैक का काम पूरा किया जाएगा। इसी ट्रैक पर तीन महीने तक मेट्रो को दौड़ाया जाएगा और इस दौरान सामने आने वाली हर चुनौती को बारीकी से देखा जाएगा। तीन माह तक चलने वाले परीक्षण के दौरान एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पहुंचने में लगने वाला समय, सिग्नल की टेस्टिंग, संचालन के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम और हर तकनीकी काम को परखा जाएगा। सामने आने वाली चुनौतियों की अनुसार बदलाव किए जाएंगे। इसके लिए मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने तीन माह का समय तय किया है।

तीन माह तक चलने वाले ट्रायल रन के बाद जनवरी 2024 में कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी इस रूट की संरक्षा को परखेंगे। उनके संतुष्ट होने के बाद प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो ऑपरेशन्स की अनुमति दी जाएगी। मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक 2024 में मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडोर पर दौड़ सकती है।

९० प्रतिशत से अधिक हो चुका है सिविल वर्क

वर्तमान में मेट्रो कॉरपोरेशन का पूरा ध्यान ट्रायल रन पर है। इसको लेकर रानी कमलापति से सुभाष नगर के बीच बनने वाले सभी स्टेशनों का कंस्ट्रक्शन वर्क पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में इस रूट पर सिविल वर्क ९० प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। फिलहाल स्टेशन के अंदर लिफ्ट लगाने और बिजली से संबंधित कामों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार अंदर से सिविल वर्क पूरा हो चुका है। केवल बारीक कामों को पूरा किया जा रहा है। अगस्त के अंत तक इस रूट के सभी स्टेशनों का सिविल वर्क और रूट का सिविल वर्क और पटरी बिछाने का काम भी पूरा कर लिया जाएगा।

इस माह से लोग कर सकेंगे मेट्रो के डिब्बे का निरीक्षण

स्मार्ट पार्क पर खड़े मेट्रो मॉक अप का निरीक्षण इस माह से आम लोग कर सकेंगे। बता दें कि सीएम शिवराज सिंह मॉक अप का अनावरण कर सकते हैं। फिलहाल डिब्बे को आम लोगों के अवलोकन के लिए एक जगह पर व्यवस्थित करने का काम पूरा कर लिया गया है। डिब्बे के अंदर इलेक्ट्रिक वर्क भी पूरा कर लिया गया है, जिससे आम लोग डिब्बे में पहुंचकर टीवी, अलार्म, इलेक्ट्रिक कनेक्शन सहित अन्य चीजों का अवलोकन कर सकेंगे।

> हमारा पूरा जोर सितंबर तक मेट्रो का ट्रायल रन शुरू करने पर है। इसको लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सभी कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है।
>
> **- मनीष सिंह, एमडी, एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड**

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
48	Free Press	Bhopal	20.07.2023	3	Rain hampers Metro work in city	Neutral

Pg-03

Rain hampers Metro work in city

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

The occurrence of rain has hampered works related to Bhopal Metro train. The laying of railway track and wielding work have been stopped.

The Metro railway officials are worried that work will not finish by September deadline if not expedited.

"Rainfall is affecting wielding and other works done under open sky," said a senior official connected with the project.

Meanwhile, work of Metro coaches including engine has progress well at the manufacturing plant situated in Sanvali.

"What is worrying that coaches and engine have to be brought by road route from Sanvali. If rain continues, then the transportation work of coaches is likely to get affected," an official said.

Metro officials are expecting delivery of coaches and engine by August end. To promote local, tribal designs will be made inside coaches.

PLATFORM READY

The platform on which mock up (model) of Metro train will be installed is almost ready. The high mast lights will be installed near platform (situated at Smart Park) of mock up model so that it is visible even from far distance. The Mock Up will be available for public view to help people know the facilities they will get in Metro train.

S.No.	Source	Edition	Date	Context	Type
49	Times of India	All India Edition	21.07.2023	Advertisement for Recruitment of O&M for Bhopal and Indore Project	Advertisement

MPMETRO

M.P. METRO RAIL CORPORATION LTD.

(A Joint Venture of Govt. of India and Govt. of Madhya Pradesh)

2nd Floor, Smart City Development Corporation Office Building, Kalibadi Road, BHEL, Sector-A, Barkheda Bhopal-462022

ADVERTISEMENT FOR RECRUITMENT

Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL), a joint venture of Government of India and Government of Madhya Pradesh is implementing Bhopal Metro Rail Project & Indore Metro Rail Project in the State of Madhya Pradesh.

To meet with the immediate requirement, MPMRCL invites application for the various posts of-

OPERATION & MAINTENANCE (O&M) OF BHOPAL & INDORE METRO RAIL PROJECT

The posts/appointments will be on Contract basis on standard terms & conditions of the organization.

This Advertisement is only indicative. The detailed vacancy notifications and particulars regarding eligibility criterion, qualification, age limit, mode of selection etc. are available, in the Career sections of MPMRCL website **www.mpmetrorail.com.** Please refer Advt. No. 1935/HRD/MPMRCL-035/2023 Dated 21.07.2023 for more details.

Last date for submission of online applications for the notifications is 31.08.2023.

M.P. Madhyam/110944/2023 **MANAGING DIRECTOR**

S.No.	Source	Edition	Date	Context	Type
50	पत्रिका	सम्पूर्ण मध्य प्रदेश	21.07.2023	Advertisement for Recruitment of O&M for Bhopal and Indore Project	विज्ञापन

पत्रिका

MPMETRO

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(भारत सरकार एवं म.प्र. शासन का संयुक्त उपक्रम)

द्वितिय तल, स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफिस बिल्डिंग

कालीबाड़ी रोड, भेल, सेक्टर-ए, बरखेड़ा, भोपाल-462022

भर्ती के लिए विज्ञापन

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MPMRCL), भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम, भोपाल मेट्रो रेल परियोजना और इंदौर मेट्रो रेल परियोजना को मध्यप्रदेश राज्य में क्रियान्वित कर रहा है।

तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु MPMRCL द्वारा विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित है :-

OPERATION & MAINTENANCE (O&M) OF BHOPAL & INDORE METRO RAIL PROJECT

नियुक्तियां MPMRCL के नियमों एवं शर्तों पर संविदा के आधार पर होगी। यह विज्ञापन केवल सांकेतिक है। रिक्त पदों का विस्तृत विवरण एमपीएमआरसीएल वेबसाइट **www.mpmetrorail.com** के कैरियर विकल्प में उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया विज्ञापन क्रमांक No. 1935/HRD/MPMRCL-035/2023 दिनांक 21.07.2023 देखें।

रिक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन की **अंतिम तिथि 31 अगस्त 2023** है।

म.प्र. माध्यम/110944/2023 **प्रबंध संचालक**

Date: 21/07/2023, Edition: Indore City, Page: 14

Source : https://epaper.patrika.com/

MPMETRO

METRO NEWS

22nd JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
51	हरि भूमि	भोपाल	22.07.2023	3	मेट्रो रेल्वे स्टेशन को सब-वे से जोड़ें स्टेशन पर होंगे एस्कलैटर व लिफ्ट	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शनिवार 22 जुलाई 2023
3

हरिभूमि
भोपाल - मुख्य संस्करण
22 July 2023

मेट्रो अधिकारियों ने उद्घाटन के लिए समय मांगा

मेट्रो स्टेशन की तरह सजाया

मेट्रो के मॉक का उद्घाटन इस माह ही करेंगे मुख्यमंत्री चौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेट्रो का डमी मॉक स्मार्ट सिटी पार्क में स्थापित हो गया है। प्लेटफार्म सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं कर मेट्रो स्टेशन की तरह आकर्षित रूप से सजाया गया है।

मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, डमी मॉक का उद्घाटन इसी माह मुख्यमंत्री शिवराज सिह चौहान करेंगे। इसके लिए उनसे समय मांगा गया है। मुख्यमंत्री से समय मिलते ही आम लोगों के लिए इसे खोल दिया जाएगा। मॉक में मेट्रो की सभी जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

मेट्रो के तीन डिब्बों का सेट अगस्त के पहले सप्ताह में आएगा

भोपाल में मेट्रो को पटरी पर दौड़ाने के लिए तेजी से काम हो रहा है। ट्रायल के लिए मेट्रो के तीन डिब्बों का सेट अगले माह के पहले सप्ताह में भोपाल आने की पूरी संभावना है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सितंबर में ट्रायल रन करने की समय सीमा तय की है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इसका भी उद्घाटन करेंगे। इसी महीने पटरी बिछाने का पूरा काम कर लिया जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
52	News 18 Hindi	Digital Edition	22.07.2023	-	MP Metro Train: सितं इंदौर-भोपाल में शुरू होगा मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन, साल 2024 से कर सकेंगे यात्रा	Neutral

MP Metro Train: सितंबर से इंदौर-भोपाल में शुरू होगा मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन, साल 2024 से कर सकेंगे यात्रा - Indore bhopal metro train trial run will start in september – News18 हिंदी - https://hindi.news18.com/news/madhya-pradesh/indore-bhopal-metro-train-trial-run-will-start-in-september-6970417.html

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
53	पत्रिका	भोपाल एवं इं	22.07.2023	8 & 10	Corrigendum: Office Interiors works at Indore for Madhya Pradesh Metro Rail Project IN 15-2nd call	Advertisement

पत्रिका

MADHYA PRADESH METRO RAIL CORPORATION LIMITED

MPMETRO

(A Joint Venture of Government of India and Government of Madhya Pradesh)

2nd Floor, Smart City Development Corporation Office Building, Kalibadi Road, BHEL, Sector-A, Berkheda, Bhopal- 462022

Tender Notification No. 995/MPMRCL/2023/Package IN-15 (2nd Call)

Bhopal Date: 21.07.2023

CORRIGENDUM

MPMRCL re-invites tenders for the works of "Office Interiors Works at Indore for Madhya Pradesh Metro Rail Project/ Package IN-15-2nd Call". For further details, please visit **https://etenders.gov.in/eprocure/app from 22.07.2023.** Any clarification/corrigendum/addendum to the tender documents will be uploaded on the official e-portal only, without any obligation of press notification.

M.P. Madhyam/110954/2023

GENERAL MANAGER (CIVIL-UG-INDORE)

Date: 22/07/2023, Edition: Indore City, Page: 8
Source : https://epaper.patrika.com/

पत्रिका

MADHYA PRADESH METRO RAIL CORPORATION LIMITED

MPMETRO

(A Joint Venture of Government of India and Government of Madhya Pradesh)

2nd Floor, Smart City Development Corporation Office Building, Kalibadi Road, BHEL, Sector-A, Berkheda, Bhopal- 462022

Tender Notification No. 995/MPMRCL/2023/Package IN-15 (2nd Call)

Bhopal Date: 21.07.2023

CORRIGENDUM

MPMRCL re-invites tenders for the works of "Office Interiors Works at Indore for Madhya Pradesh Metro Rail Project/ Package IN-15-2nd Call". For further details, please visit **https://etenders.gov.in/eprocure/app from 22.07.2023.** Any clarification/corrigendum/addendum to the tender documents will be uploaded on the official e-portal only, without any obligation of press notification.

M.P. Madhyam/110954/2023

GENERAL MANAGER (CIVIL-UG-INDORE)

Date: 22/07/2023, Edition: Bhopal, Page: 10
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Context	Type
54	Times of India	Bhopal & Indore (Page 8)	22.07.2023	Corrigendum: Office Interiors works at Indore for Madhya Pradesh Metro Rail Project IN 15-2nd call	Advertisement

MADHYA PRADESH METRO RAIL CORPORATION LIMITED

MPMETRO

(A Joint Venture of Government of India and Government of Madhya Pradesh)

2nd Floor, Smart City Development Corporation Office Building, Kalibadi Road, BHEL, Sector-A, Berkheda, Bhopal- 462022

Tender Notification No. 995/MPMRCL/2023/Package IN-15 (2nd Call)

Bhopal Date: 21.07.2023

CORRIGENDUM

MPMRCL re-invites tenders for the works of "Office Interiors Works at Indore for Madhya Pradesh Metro Rail Project/ Package IN-15-2nd Call". For further details, please visit **https://etenders.gov.in/eprocure/app from 22.07.2023.** Any clarification/corrigendum/addendum to the tender documents will be uploaded on the official e-portal only, without any obligation of press notification.

GENERAL MANAGER (CIVIL-UG-INDORE)

M.P. Madhyam/110954/2023

INDORE PAGE-08

MADHYA PRADESH METRO RAIL CORPORATION LIMITED

MPMETRO

(A Joint Venture of Government of India and Government of Madhya Pradesh)

2nd Floor, Smart City Development Corporation Office Building, Kalibadi Road, BHEL, Sector-A, Berkheda, Bhopal- 462022

Tender Notification No. 995/MPMRCL/2023/Package IN-15 (2nd Call)

Bhopal Date: 21.07.2023

CORRIGENDUM

MPMRCL re-invites tenders for the works of "Office Interiors Works at Indore for Madhya Pradesh Metro Rail Project/ Package IN-15-2nd Call". For further details, please visit **https://etenders.gov.in/eprocure/app from 22.07.2023.** Any clarification/corrigendum/addendum to the tender documents will be uploaded on the official e-portal only, without any obligation of press notification.

GENERAL MANAGER (CIVIL-UG-INDORE)

M.P. Madhyam/110954/2023

MPMETRO

METRO NEWS

24nd JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
55	दैनिक जागरण	भोपाल	24.07.2023	3	आधुनिक सुरक्षा उपकरणों से लैस होगी भोपाल मेट्रो ट्रैक पर आसानी, नहीं होगी घुसपैठ, सुरक्षा दरुस्त	Neutral

दैनिक जागरण
भोपाल, 24 जुलाई 2023

राजधानी जागरण 03

• 11 • राज्य • 31 • संस्करण   मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

यात्री सुरक्षा प्लेटफार्म पर रखे हर सामान पर सुरक्षाकर्मी रख सकेंगे बारीकी से नजर

आधुनिक सुरक्षा उपकरणों से लैस होगी भोपाल मेट्रो ट्रैक पर आसान नहीं होगी घुसपैठ, सुरक्षा दुरुस्त

शहर संवाददाता, भोपाल। भोपाल और इंदौर मेट्रो कई आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से लैस होगी, जिसमें अनअटेंडेंट ऑब्जेक्ट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम और डिरेलमेंट डिटेक्शन सिस्टम के जरिए यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा ट्रेन के संचालन के लिए इनबिल्ट साइबर सिक्योरिटी सिस्टम का भ्री इस्तेमाल किया जाएगा। सभी सुरक्षा प्रणालियों के कारण जहां ट्रेन में सफर आरामदायक होगा। वहीं यात्रियों को पूरी सुरक्षा भी मिलेगी।

इस तरह होगा काम

अनअटेंडेंट ऑब्जेक्ट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम : इस सिस्टम की सहायता से मेट्रो और प्लेटफार्म पर हर वस्तु पर मेट्रो के संचालन के दौरान सुरक्षाकर्मी बारीक नजर रखेंगे। ऐसे में ऐसा कोई भी सामान जिसका कोई दावेदार नहीं होगा। उसे तुरंत ही प्लेटफार्म से हटाया जाएगा।

डिरेलमेंट डिटेक्शन सिस्टम : डिरेलमेंट डिटेक्शन सिस्टम के जरिए ट्रैक पर किसी तरह की बाधा के होने पर या मेट्रो ट्रेन के डिरेलमेंट होने पर तुरंत जानकारी मिलेगी। ऐसे में ट्रेन को समय पर रोका जा सकेगा। इससे दोनों ओर से चल रही मेट्रो में यात्रियों की सुरक्षा पुख्ता होगी।

टेस्टिंग ट्रैक पर पूरा हुआ पांच स्टेशनों का काम

रानी कमलापति से सुभाष नगर के बीच बन रहे सभी पांच स्टेशनों का काम 100 फीसदी पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा गर्डर इरेक्शन का काम भी पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में टेस्टिंग ट्रैक पर पटरी बिछाने और विद्युतीकरण का काम किया जा रहा है। बता दें कि भोपाल मेट्रो का दो लाइनों पर संचालन होगा। पहली रेड और दूसरी पर्पल लाइन, जिन पर सितंबर माह से टेस्टिंग की जाएगी। मेट्रो के संचालन का सिस्टम पूरी तरह से साइबर सिक्योरिटी से लैस होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
56	हरि भूमि	भोपाल	24.07.2023	3	सुभाष नगर से रानी कमलापति तक के मेट्रो स्टेशन के नाम तय	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, सोमवार 24 जुलाई 2023
Pg-03

सितंबर में ट्रायल रन के लिए एक तरफ का ट्रैक पूरा

सुभाष नगर से रानी कमलापति तक के मेट्रो स्टेशनों के नाम तय

हरिभूमि न्यूज ⏩ भोपाल

सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक मेट्रो का ट्रायल रन के लिए एक तरफ का ट्रैक पूरा होने के बाद अब स्टेशन के अंदर काम चल रहा है। ट्रैक बिछाने वाली कंपनी 15 अगस्त तक ट्रैक का काम पूरा करने के बाद इलेक्ट्रिक के लिए थर्ड रेल लाइन बिछाने वाली कंपनी को सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक का प्रायोरिटी कोरीडोर सौंप देगी। ट्रैक का काम पूरा होने के बाद थर्ड रेल लाइन बिछाने में समय कम लगेगा। इस दौरान स्टेशन का नामकरण भी लगभग पूरा हो गया है। इसके अनुसार स्टेशन के नाम सुभाष नगर गायत्री मंदिर, बोर्ड आफिस एमपी नगर और रानी कमलापति ही होंगे। आसपास अगर कोई शहर के जाने माने संस्थान, भवन या कोई संस्था होगी, उसे राशि जमा करने के बाद ही उसका नाम दिया जाएगा। मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार एक ही बड़ा काम शेष रह गया है, रैंप का, जिससे मेट्रो रेल नीचे ऊपर जाएगी। ट्रायल में रैंप से मेट्रो बायडक्ट पर जाकर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक जाएगी। जिस ट्रैक से मेट्रो जाएगी, उसी से वापस आकर रैंप के द्वारा वापस आ जाएगी। इर रैंप के बनने की भी तैयारी हो चुकी हैए संभावना है कि यह रैंप भी 15 अगस्त के आसपास बन जाएगा।

> सुभाष नगर, गायत्री मंदिर, बोर्ड ऑफिस एमपी नगर और रानी कमलापति के नाम से जाने जाएंगे मेट्रो के स्टेशन

खास बातें

- स्टेशन के आसपास कोई निजी संस्था या भवन का नाम तभी जोड़ा जाएगा, जब निर्धारित राशि मिलेगी

नरसिंहपुर-करेली के बीच मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतरा वंदे भारत और जनशताब्दी रि-शेड्यूल, 6 ट्रेनों के मार्ग बदले

नरसिंहपुर-करेली के मध्य शनिवार-रविवार की दरमियानी रात मालगाड़ी का गार्ड डिब्बा पटरी से उतर गया। इसके चलते रेल यातायात प्रभावित हुआ। इस हादसे की वजह से कारण 6 ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए गया तो वहीं जबलपुर से भोपाल की ओर आने वाली जन शताब्दी और वंदे भारत को रीशेड्यूल किया गया।

इन ट्रेनों पर पड़ा असर: गाड़ी संख्या 20174 जबलपुर-रानी कमलापति वंदे भारत करीब 3 घंटे देरी से पहुंची। 12062 जबलपुर-आरकेएमपी जनशताब्दी जबलपुर से 2 घंटे री-शेड्यूल की गई थी। वापसी में इस ट्रेन को 5 घंटे रीशेड्यूल कर रवाना किया गया। इसका असर अमरकंटक एक्सप्रेस पर भी देखने को मिला। वापसी में अमरकंटक को एक घंटे रीशेड्यूल किया गया। हालांकि शाम तक रेल यातायात क्लीयर हो गया था।

MPMETRO

METRO NEWS

25nd JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
57	हरि भूमि	भोपाल	25.07.2023	3	मेट्रो मॉक-अप के उद्घाटन की तैयारी, स्मार्ट सिटी पार्क मे रखा	Neutral

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 25 जुलाई 2023

3

मेट्रो मॉक के उद्घाटन की तैयारी, स्मार्ट सिटी पार्क में रखा मॉक

भोपाल। स्मार्ट सिटी पार्क में रखे हुए मेट्रो के मॉकअप का लोकार्पण जल्दी ही होने वाला है। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। सोमवार को मॉकअप के आसपास ग्रिल लगाई जा रही थी। मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार लोकार्पण के लिए हाईलेवल पर चर्चा चल रही है।

सीएम शिवराज सिंह चौहान से इसके लिए समय मांगा है। लोकार्पण से पहले इस मॉक के आसपास जाने-आने पर सोमवार को रोक लगा दी गई। इस क्षेत्र को विकसित कर रही संस्था द्वारा मंगलवार या बुधवार को मेट्रो कंपनी को यह स्थान सौंप देगी। उसके तुरंत बाद ही लोकार्पण होगा। इसके लोकार्पण का लोगों को बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि भोपाल में पहली बार मेट्रो का सपना पूरा होने जा रहा है। मॉक में मेट्रो की सभी जानकारियां उपलब्ध रहेंगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
58	पत्रिका	भोपाल	25.07.2023	2	मेट्रो ट्रेन कोच का लोकार्पण इसी माह	Neutral

पत्रिका

मेट्रो ट्रेन कोच का लोकार्पण इसी माह

भोपाल @ पत्रिका. मेट्रो ट्रेन के चेन्नई से आए कोच का लोकार्पण इसी माह के आखिर तक हो जाएगा। इसके लिए मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन के

अफसर काम कर रहे हैं। कॉरपोरेशन की सिविल शाखा ने कोच पर चढने, उसे देखने के लिए सीढियां व रैंप भी बना दिए हैं। कोच अभी पैक है और लोकार्पण के साथ ही आमजन के लिए खुलेगा। मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन की कोशिश है कि जुलाई में ही कोच का लोकार्पण हो जाए। अगस्त में तो ट्रेन का पूरा रैक ही भोपाल पहुंचने की स्थिति है। ऐसे में इस अतिरिक्त कोच की महत्ता ही खत्म हो जाएगी। गौरतलब है कि आमजन को मेट्रो के बारे में जागरूक करने के लिए कोच को स्मार्टसिटी पार्क में रखा गया है। इसमें जितनी देरी होगी, इसके प्रति उत्सुकता उतनी ही घटेगी।

Date: 25/07/2023, Edition Bhopal, Page: 2
Source : https://epaper.patrika.com

MPMETRO

METRO NEWS

26nd JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
59	दैनिक जागरण	भोपाल	26.07.2023	4	ट्रेन की तरह छैन खींचने से नहीं, इमरजें पुश बटन दबाने से रुकेगी भोपाल मेट्रो	Neutral

दैनिक जागरण
भोपाल, 26 जुलाई 2023

राजधानी जागरण

04

•11• राज्य •31• संस्करण   मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

सुविधा हर कोच के अंदर की जाएगी सुरक्षा की पूरी व्यवस्था

ट्रेन की तरह चेन खींचने से नहीं, इमरजेंसी पुश बटन दबाने से रुकेगी भोपाल मेट्रो

शहर संवाददाता, भोपाल। भोपाल मेट्रो में किसी तरह की आपात स्थिति निर्मित होने पर ट्रेन को रोकने के लिए इमरजेंसी पुश बटन होगा। आमतौर पर ट्रेनों में चेन होती है, जबकि मेट्रो में पुश बटन के द्वारा ट्रेन को रोका जा सकेगा। हालांकि मेट्रो पुल पर निर्मित ट्रैक पर दौड़ेगी और इसके दरवाजे केवल स्टेशनों पर ही खुलेंगे, लेकिन यदि कोई बड़ी आपात स्थिति निर्मित होती है, तो इसे इमरजेंसी पुश बटन के माध्यम से रोका जा सकेगा। इमरजेंसी पुश बटन की सुविधा हर कोच में रहेगी। इसके अलावा यात्रियों के लिए अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी।

सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

- हर कोच में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी।
- मोबाइल चार्ज करने के लिए मोबाइल चार्जिंग पाइंट रहेंगे।
- मेट्रो अधिकारियों के अनुसार मेट्रो के चलने से प्रदूषण में भी गिरावट आएगी।

सुभाष नगर पर विद्युत सब स्टेशन का स्ट्रक्चरल वर्क पूरा

सुभाष नगर डिपो पर बिजली सब स्टेशन 2 का स्ट्रक्चरल वर्क भी 95 फीसदी पूरा कर लिया गया है। डिपो पर ही बन रही इंस्पेक्शन बे (प्रायोरिटी लाइन्स) का काम भी 60 फीसदी तक पूरा हो गया है। बता दें कि इसी डिपो पर मेट्रो के कोच का रखरखाव का काम किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार बाकी का काम भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

> भोपाल मेट्रो का काम बडी तेजी से चल रह है। प्रयास है कि जल्द से जल्द तेज परिवहन की सुविधा शहर वासियों को दी जाए।
>
> **- मनीष सिंह, निदेशक, एमपी मेट्रो रेल कारपोरेशन लि.**

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
60	पत्रिका	भोपाल	27.07.2023	4	#MetroTrain सितं की तैयारी, स्टेशन के इन्टीरीअर पर चल रहा है काम	Neutral

पत्रिका

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पढ़ें ज्यादा खबरें, देखें फोटो/वीडियो
#Readers Connect ⇒ Bhopal News
www.facebook.com/groups/bhopalvoice

पत्रिका. भोपाल, गुरुवार 27 जुलाई 2023
इन आइकन से जुड़ी सामग्री पत्रिका भोपाल वॉयस फेसबुक ग्रुप पर पढ़ें, अपनी खबरें भी भेजें
क्यूआर कोड मोबाइल से करें स्कैन | खबरें | समस्याएं | सुझाव | फोटो | वीडियो | पॉडकास्ट
भोपाल की खबरें www.patrika.com/bhopal-news पर भी देखें

शहर मौसम

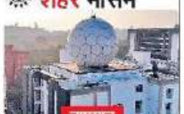

तापमान

33° अधिकतम | 25° न्यूनतम

ह्यूमिडिटी : 91% (अधिकतम)
हवा की गति : 14 किमी/घंटा

फोरकास्ट
बादल छाएंगे बारिश के आसार
स्रोत- मौसम केन्द्र भोपाल

पॉल्यूशन स्तर

पर्यावरण परिसर : 76	00%	
टीटी नगर : 50	0.0%	
कलेक्ट्रेट ऑफिस : 95	00%	

अच्छा 0-50	ठीक 51-100	मध्यम 101-200
खराब 201-300	गंभीर 301-400	खतरनाक 401-500

भोपाल आज

श्रद्धांजलि @ पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की आठवीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी जायेगी। समय दोपहर 12 बजे

विरोध प्रदर्शन@ सरकारी आयुष कालेजों के चिकित्सा शिक्षकों का आंदोलन।

#MetroTrain सितंबर में ट्रायल रन शुरू करने की तैयारी, स्टेशन के इंटीरियर पर चल रहा है काम

तीन मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश-निकास बने, अगस्त में सभी पांच स्टेशन हो जाएंगे तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन के तीन स्टेशनों-बोर्ड ऑफिस, सुभाष नगर व रानी कमलापति के एग्जिट- एंट्री पॉइंट तैयार हो गए हैं।सुभाष पर पीइबी स्ट्रक्चर भी बन गया है। अगस्त मध्य तक सभी पांच स्टेशनों पर एंट्री-एग्जिट के साथ ही यात्रियों के खड़े रहने के लिए पीइबी स्ट्रक्चर तैयार हो जाएंगे। रानी कमलापति से सुभाष ब्रिज तक प्रायोरिटी कॉरीडोर के लिए सभी काम जोर-शोर से किए जा रहे हैं। जिन स्टेशनों को बनाया जा चुका है, वहां अब उनके इंटीरियर का काम किया जा रहा है। भोपाल मेट्रो देश के अन्य सभी मेट्रो से तकनीक के मामलों में अलग होगी।

सिग्नलिंग सिस्टम बड़ा काम

भोपाल मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन सितंबर में मेट्रो का ट्रायल रन शुरू करने की पूरी तैयारी में है। अभी सिग्नलिंग सिस्टम एक बड़ा काम है। मेट्रो ट्रेन प्रायोरिटी कॉरीडोर में करीब चार की पटरियों में से 50 फीसदी अब भी बिछना बाकी है। स्टेशन के इंटीरियर से लेकर ट्रैक के कामों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि अगस्त माह में गुजरात बड़ोदरा के सारणी प्लांट से मेट्रो ट्रेन रैक भी भोपाल पहुंच जाएगी। मेट्रो स्टेशनों को बिजली आपूर्ति के लिए सुभाष डिपो के पास बिजली सब स्टेशन का काम भी किया जा रहा है। गोविंदपुरा से अंडरग्राउंड लाइन सुभाष डिपो तक बिछा दी है। सब स्टेशन बनने के साथ ही लाइन से इसे चार्ज कर दिया जाएगा।

सुभाष अंडर ब्रिज के पास बन रहा है मेट्रो स्टेशन।

हमारी पूरी टीम दिन रात काम कर रही है। सितंबर में मेट्रो का ट्रायल शुरू कर दिया जाएगा।

मनीष सिंह, एमडी, मप्र मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन

दो ग्रेड में चलेगी मेट्रो

मेट्रो को चलाने के लिए दो मॉडल तैयार हो रहे हैं। एक ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन दो व दूसरा ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन चार रहेगा। दूसरे ग्रेड की ट्रेन को ड्रायवर चलाएगा, जबकि चौथे ग्रेड की ट्रेन पूरी तरह ऑटोमैटिक होगी। शुरुआत में जीओए दो ट्रेन को संचालित किया जाएगा।

मेट्रो कोच में हवा खुद-ब-खुद होगी क्लीन

मेट्रो की अंदर की हवा को साफ करने और उसे संक्रमणरहित रखने के लिए मेट्रो के हर कोच में विशेष सिस्टम लगेगा। इससे संक्रमण का खतरा कम रहेगा। इसमें आग की स्थिति से निपटने फायर अलार्म के साथ फायर सिस्टम भी होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर यात्री खुद भी उपयोग कर आग बुझा सके। हर कोच में चार फायर व स्मोक अलार्म लगे होंगे। किसी भी आपात स्थिति के लिए पुश बटन होगा।

क्यूआर कोड को स्कैन कर सुझाव दें...

Date: 27/07/2023, Edition: Bhopal, Page: 4
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
61	दैनिक भास्कर	भोपाल	28.07.2023	16	एमपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन मे 88 पदों आवेदन आमंत्रित	Neutral

दैनिक भास्कर

भोपाल 28-07-2023

Pg-16

एमपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सुपरवाइजर सहित विभिन्न 88 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन 31 अगस्त तक किया जा सकता है। देखें www.mpmetrorail.com

S.No.	Source	Edition	Date	Context	Type
62	पत्रिका	सम्पूर्ण मध्य प्रदेश	28.07.2023	भर्ती के लिए विज्ञापन- HR &Admin	Advertisement

पत्रिका

MPMETRO

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन का संयुक्त उपक्रम)

द्वितीय तल, स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफिस बिल्डिंग, कालीबाड़ी रोड, भेल, सेक्टर-ए, बरखेड़ा, भोपाल-462022

भर्ती के लिए विज्ञापन

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MPMRCL), भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम, भोपाल मेट्रो रेल परियोजना और इंदौर मेट्रो रेल परियोजना को मध्यप्रदेश राज्य में क्रियान्वित कर रहा है।

तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु MPMRCL द्वारा विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित है :

HR & ADMIN/FINANCE

नियुक्तियां MPMRCL के नियमों एवं शर्तों पर संविदा/प्रतिनियुक्ति/पुनर्नियुक्ति के आधार पर होंगी।

यह विज्ञापन केवल सांकेतिक है। रिक्त पदों का विस्तृत विवरण एमपीएमआरसीएल की वेबसाइट **www.mpmetrorail.com** के कॅरियर विकल्प में उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया विज्ञापन क्रमांक No. 1948/HRD/MPMRCL-036/2023 दिनांक 28.07.2023 देखें।

रिक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन की **अंतिम तिथि 17 अगस्त 2023 है।**

म.प्र. माध्यम/11069/2023 प्रबंध संचालक

Date: 28/07/2023, Edition: Bhopal, Page: 13

Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Context	Type
63	Times of India	All India	28.07.2023	Recruitment Advertisement- HR &Admin	Advertisement

MADHYA PRADESH METRO RAIL CORPORATION LIMITED

(A Joint Venture of Govt. of India and Govt. of Madhya Pradesh)
2nd Floor, Smart City Development Corporation Office Building, Kalibadi Road, BHEL, Sector-A, Barkheda, Bhopal-462022

ADVERTISEMENT FOR RECRUITMENT

Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL), a joint venture of Government of India and Government of Madhya Pradesh is implementing Bhopal Metro Rail Project & Indore Metro Rail Project in the State of Madhya Pradesh.
To meet with the immediate requirement, MPMRCL invites application for the various posts of

HR & ADMIN/FINANCE

The posts/appointments will be on Contract/Deputation/ Re-employment basis on standard terms & conditions of the organization.
This Advertisement is only indicative. The detailed vacancy notifications and particulars regarding eligibility criterion, qualification, experience, age limit, mode of selection etc. are available, in the Career sections of MPMRCL website **www.mpmetrorail.com**. Please refer Advt. No. 1948/HRD/ MPMRCL-036/2023, dated 28.07.2023 for more details.
Last date for submission of online applications for the notifications is 17.08.2023.

M.P. Madhyam/111069/2023 **MANAGING DIRECTOR**

MPMETRO

METRO NEWS

29th JULY ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
64	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	29.07.2023	3	मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए फन्डिं भोपाल-इंदौर के लिए मिले 710 करोड़ रुपये	Neutral

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
3
महानगर
सूर्यास्त (शनिवार): 07:04 सूर्योदय (रविवार): 05:49
तापमान अधिकतम 30.8° न्यूनतम 25.4°
भोपाल
शनिवार, 29 जुलाई 2023

इंदौर-भोपाल मेट्रो के पहले चरण पर खर्च होंगे 14 हजार करोड़ रुपए से अधिक

मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए फंडिंग ने पकड़ी रफ्तार भोपाल-इंदौर के लिए मिले 710 करोड़ रुपए

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

भोपाल और इंदौर में मेट्रो के काम के साथ ही इसके लिए प्रोजेक्ट के लिए फंडिंग ने भी रफ्तार पकड़ ली है। राज्य सरकार से दोनों शहरों के लिए 710 करोड़ रुपए मिल गया है। अब

2300 करोड़ और आएगा

केंद्र, यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक (ईआईबी) और एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) से 2300 करोड़ रुपए और मिलेगा।

राजधानी में पहले चरण में दो मेट्रो रूट को शामिल किया गया है। पहला, एम्स से करोंद और दूसरा भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक बनेगा। डीपीआर में इन पर करीब 6941 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया गया है। इसी तरह इंदौर में फर्स्ट फेज में बंगाली चौराहा से पलासिया, विजय नगर, रेडिसन चौराहा, खजराना होते हुए वापस बंगाली चौराहा तक की रिंग लाइन शामिल की गई है। वहां प्रोजेक्ट पर 7580 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस तरह दोनों शहर में मेट्रो के पहले चरण पर 14 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च होगा।

50 फीसदी से अधिक लोन से जुटाएंगे

भोपाल और इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए केंद्र और राज्य सरकार 20-20 फीसदी राशि मुहैया कराएगी। लोन से 50 प्रतिशत से अधिक की व्यवस्था की जाएगी। भोपाल के लिए ईआईबी और इंदौर में एडीबी कर्ज मुहैया करा रहा है। बताया जा रहा है कुछ राशि का इंतजाम अन्य संसाधनों से किया जाना है।

सितंबर में दोनों शहरों में ट्रायल रन

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल और इंदौर में मेट्रो के ट्रायल रन के लिए सितंबर की समय सीमा तय की है। इस डेडलाइन के पहले स्टेशन, ट्रैक, डिपो व अन्य जरूरी स्ट्रक्चर तैयार करने के लिए दिन-रात काम चल रहा है। राजधानी में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से सुभाष नगर के बीच चार किमी लंबे प्रायोरिटी कॉरीडोर में मेट्रो की शुरुआत होगी। वहीं इंदौर में प्रायोरिटी कॉरीडोर 6.3 किमी का होगा।

दूसरा रूट बनाने पर खर्च होंगे 1122 करोड़

भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक मेट्रो का दूसरा रूट बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके साथ 13 स्टेशन भी बनाए जाएंगे। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इसके निर्माण पर 1122 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि अगले साल निर्माण कार्य जमीन पर दिखने लगेगा। दूसरा रूट तैयार करने के लिए तीन साल की समय सीमा तय की गई है। मेट्रो का दूसरा रूट करीब 13 किमी लंबा होगा। यह जमीन के ऊपर बनेगा। इसके लिए 13 एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। भदभदा चौराहा, डिपो चौराहा, जवाहर चौक, रोशनपुरा चौराहा, कुशाभाऊ ठाकरे हॉल, परेड ग्राउंड, प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जेके रोड, इंद्रपुरी, पिपलानी और रत्नागिरी तिराहा पर स्टेशन बनेंगे। वहीं सुभाष नगर से करोंद तक मेट्रो रूट बनाने के लिए निर्माण एजेंसी चयन की प्रक्रिया चल रही है। इसकी अनुमानित लागत 647 करोड़ रुपए है। यह काम ईआईबी के लोन से किया जाएगा।

MP Metro News

31 july ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
65	Dainik Bhaskar	Bhopal	31.07.2023	02	मेट्रो में साइबर सिक्योरिटी सिस्टम लगेगा एआई की भी मदद लेंगे	Neutral

दैनिक भास्कर

भोपाल 31-07-2023

Pg-02

भोपाल-इंदौर मेट्रो स्टेशन

साइबर सिक्योरिटी सिस्टम लगेगा, एआई की भी मदद लेंगे

भोपाल | भोपाल-इंदौर मेट्रो के संचालन के लिए इनबिल्ट सायबर सिक्योरिटी सिस्टम का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा इसमें अनअटेंडेंट ऑब्जेक्ट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम और डीरेलमेंट डिटेक्शन सिस्टम भी लगाया जाएगा। मप्र मेट्रो कार्पोरेशन लिमिटेड के अफसरों का कहना है कि मेट्रो ट्रेन के कोच और स्टेशन के साथ अन्य स्थानों पर हाई रेजोल्यूशन कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें कैप्चर होने वाले वीडियो से संदिग्ध व्यक्ति का चेहरा मिलान कर वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम के जरिए उसकी पहचान की जाएगी। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस(एआई) की मदद से अपराधियों का डाटा भी तैयार किया जाएगा। इस सॉफ्टवेयर में पुराने अपराधियों और गुमशुदा लोगों के फोटो भी अपलोड होंगे, ताकि पहचान करना आसान हो।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
66	Haribhoomi	bhopal	31.07.2023	04	मेट्रो ट्रायल के लिए सातों दिन 24 घंटे चल रहा काम	Neutral

एक माह का समय बचा

मेट्रो ट्रायल के लिए सातों दिन 24 घंटे चल रहा काम

◆ पटरी बिछाने का भी चौबीस घंटे चल रहा है काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो को पटरी पर दौड़ाने के लिए रोजाना सातों दिन चौबीस घंटे काम चल रहा है, क्योंकि सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक सितंबर के पहले हफ्ते में मेट्रो रेल का ट्रायल रन होना है।

प्रायोरिटी कॉरिडोर में पटरी बिछाने के साथ ही स्टेशन और जो भी सिविल वर्क बचे हैं, रात और दिन 24 घंटे काम शुरू किया गया है, जिससे समय पर ट्रायल हो सके। जमीन से वायोडक्ट तक ट्रेन ले जाने के लिए रैंप का काम भी 24 घंटे चल रहा है। मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार ट्रायल के लिए मेट्रो के तीन डिब्बों का सेट अगस्त तक भोपाल आ जाएगा। दरअसल, मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सितंबर में ट्रायल रन करने की समय सीमा तय की है।

मेट्रो मॉक से लोग ले सकेंगे जानकारी

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच पांच किमी में ट्रायल रन करने की योजना बनाई है, इसलिए यहां 24 घंटे काम शुरू किया गया है। शुरुआत में ट्रेन इन स्टेशनों के बीच दौड़ने की उम्मीद है। इस ट्रैक पर सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक पटरी बिछाने का काम पूरा हो गया है। कॉर्पोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि जल्दी ही पटरी बिछाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि मेट्रो का ट्रायल शुरुआत में सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक पांच किलोमीटर में होगा। इसके बाद इसे एम्स तक पूरे 7.5 किमी रूट को जोड़ दिया जाएगा। मॉक अप स्मार्ट सिटी पार्क में रखा गया है। यह मेट्रो की सभी सुविधा वाला डिब्बा है, जिसमें लोग बैठकर मेट्रो का अनुभव ले सकेंगे। इसमें एलईडी, अनाउंसमेंट, सीसीटीवी, सिटिंग अरेंजमेंट, इमरजेंसी अलार्म समेत सभी सुविधाएं हैं।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
67	Free press	Bhopal	31.07.2023	03	Each Metro coach to have capacity of 330 passengers	Neutral

Each Metro coach to have capacity of 330 passengers

Bhopal Metro is coming with advanced track designs ensuring smooth commute, high load capacity and speeds up to 90 km/hour

OUR STAFF REPORTER

city.bhopal@fpj.co.in

Manufacturing of metro coaches is in an advanced stage. Every coach will have the capacity to carry around 330 passengers. This comprises approximately 50 seating passengers and 280 standing ones per coach. The Bhopal Metro is coming with advanced track designs ensuring smooth commute, efficient drainage, high load capacity, and speeds up to 90 km/hour, representing the future of urban mobility. The coaches are being designed in such a manner that passengers have the maximum comfort. Through the unattended object identification and empty train detection system, the passengers and their belongings will remain safe.

Bhopal metro will have many modern features. Unique regenerative braking system is being built for recovering energy lost during brake use. Moreover, the metro is preparing a hygienic ride for all with its germ control air filtration system.

HL 3 level features are being installed for maximum fire safety.

Bhopal Metro mock up is likely to be unveiled anytime soon. All the works related to the installations on the platform, lightening arrangement for the mock-up has been completed. Metro officials are most likely to invite Chief Minister Shivraj Singh Chouhan for the inauguration of Mock-Up. The officials of Bhopal Metro said that almost all the works related to the mock-up have been completed and now only final touches are being given. The mock-up arrived in the city the first week of July. Through mock up, people will be able to know what facilities they will get in Bhopal Metro during the metro ride.

The work of Bhopal metro is underway at a high speed. Metro officials are focusing on completing various works of the priority corridor. Most of the work is completed over fifty per cent and few of them have got completed to even 98 per cent. For instance, the work of gurder casting of all eight metro stations has been completed to 70 per-cent.

As far as the ongoing works are concerned, a 132/33 kv main power transformer erected on foundation at the receiving sub-station of Subash Nagar Depot. In September, trials of Bhopal metro is scheduled.

MPMETRO
Rail Corporation Limited

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
68	patrika	bhopal	30.07.2023	02	मेट्रो ट्रेन डिपो में स्थापित किया पावर ट्रांसफार्मर	Neutral

पत्रिका { भोपाल प्राइम }

BHOPAL PRIME

मेट्रो ट्रेन डिपो में स्थापित किया पॉवर ट्रांसफार्मर

भोपाल @ पत्रिका. मेट्रो ट्रेन डिपो में 33/ 11केवी क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। यहीं से अब मेट्रो , मेट्रो स्टेशन व संबंधित सिस्टम को बिजली आपूर्ति की जाएगी। यहां सब स्टेशन को चार्ज करने के लिए गोविंदपुरा के बिजली प्लांट से 132 केवी के अंडरग्राउंड लाइन सुभाष डिपो तक बिछाई गई है।

40 करोड़ का खर्च

गोविंदपुरा बिजली पॉवर स्टेशन से मेट्रो ट्रेन और स्मार्टसिटी डेवलपमेंट कारपोरेशन एक ही डक्ट में अंडरग्राउंड केबल बिछाई गई। मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन अपनी सात केबल को बिछाने में करीब 40 करोड़ रुपए का खर्च हुए, जबकि स्मार्टसिटी के करीब 20 करोड़ रुपए खर्च हुए।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
69	Dainik bhaskar	bhopal	30.07.2023	10	भोपाल मेट्रो में 82 पदों पर निकली वैकेंसी, कल से भरे जाएंगे आवेदन	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 30-07-2023 Pg-10

भोपाल मेट्रो में 82 पदों पर निकली वैकेंसी, कल से भरे जाएंगे आवेदन

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) ने ऑपरेशन और मेंटनेंस एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पदों पर भर्ती निकाली है। कुल 88 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट से जमा किए जा सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया 31 जुलाई से शुरू होगी, आखिरी तारीख 31 अगस्त है। इसमें सुपरवाइज (ऑपरेशनल) के 26, सुपरवाइजर (सिग्नलिंग एंड टेलीकम्युनिकेशन स्टॉक) के 7, मेंटेनर (सिग्नलिंग एंड टेलीकम्युनिकेशन स्टॉक) के के 10, सुपरवाइजर (ट्रैक्शन/ईएंडएम) के 8, मेंटेनर (ट्रैक्शन/ईएंडएम) के 9, सुपरवाइजर (ट्रैक) के 15, सुपरवाइजर (वर्क) के 2, मेंटेनर (वर्क) के 3, स्टोर (असिस्टेंट स्टोर) के 2, एचआर (असिस्टेंट ह्यूमन रिसोर्स) के 2, अकाउंट (असिस्टेंट फाइनेंस) के 2 पदों के लिए वैकेंसी निकाली है। हर पोस्ट के लिए अलग-अलग क्वालिफिकेशन मांगी गई है। चयनित उम्मीदवार को कॉन्ट्रेक्ट तौर पर नियुक्ति दी जाएगी।

आयु सीमा की बात करने तो अनारक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम आयु 18 और अधिकतम आयु सीमा 28 वर्ष रखी है। आरक्षित वर्ग के लिए 5 वर्ष की छूट है। अनारक्षित वर्ग के लिए आवेदन फीस 590 रुपए और आरक्षित वर्ग के लिए 295 रुपए है। परीक्षा केंद्र भोपाल, इंदौर, ग्वालियर,जबलपुर और उज्जैन में बनाए जाएंगे। अधिक जानकारी वेबसाइट mpmetrorail.com से प्राप्त कर सकते हैं। सुपरवाइजर (ऑपरेशन) के लिए कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट(सीबीटी) होगा और कंप्यूटर बेस्ड एप्टीट्यूड (सीबीएटी) टेस्ट होगा। इसके अलावा अन्य पदों के लिए सिर्फ सीबीटी होगा। इन टेस्ट के बाद सभी डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल टेस्ट होगा।

मैनेजर, असि. मैनेजर के लिए 17 तक आवेदन

भोपाल मेट्रो में मैनेजर लेवल के 4 पदों के लिए वैकेंसी है। मैनेजर के एक और असिस्टेंट मैनेजर के 3 पद भरे जाएंगे। इसके लिए आवेदन की प्रोसेस शुरू हो गई। ऑनलाइन आवेदन करने की आखिरी तारीख 17 अगस्त है।